■ पौष कृष्ण - 8 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 178 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 22-01-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने की रामायण पर टिप्पणी को लेकर केजरीवाल की आलोचना

6 कैसे वाजिब है 70-90 घंटे काम करना?

7 मंत्रिमंडल के साथ त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाएंगे योगी

फर्स्ट टेक

फिल्म निर्माता दिल राजू और अन्य लोगों के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना में आयकर विभाग ने मंगलवार को तेलंगाना फिल्म विकास निगम के चेयरमैन व तेलुगु फिल्मों के मशहूर निर्माता दिल राजू और कुछ अन्य लोगों से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। दिल राजू का वास्तविक नाम वेंकट रमण रेड्डी है और उन्होंने कुछ सबसे बड़ी तेलुगु ब्लॉकबस्टर फिल्में बनाई हैं, जिनमें राम चरण अभिनीत फिल्म 'गेम चेंजर' और 'बोम्मारिलु' शामिल हैं।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सुन लो तानाशाहों

क्या रोक सका अब तक कोई,
दरियाओं के सैलाबों को।
क्या बांध सका हद में कोई,
हर दिल में उठते ख्वाबों को।
क्या जब्त कर सकेगा कोई,
जेहन में रची किताबों को।
तानाशाहों तुम हो बौने,
ना छू सकते महताबों को।।

ओडिशा-छत्तीसगढ़ सीमा पर मुठभेड़ में 14 माओवादी ढेर

- इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों के दो जवान घायल
- 'नक्सल मुक्त भारत' के निर्माण की दिशा में बड़ी सफलता : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/गरियाबंद/भाषा। छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर केंद्रीय और राज्य पुलिस बलों के एक संयुक्त दल ने मुठभेड़ में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के एक शीर्ष नेता सहित 14 नक्सलियों को मार गिराया है तथा इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों के दो जवान घायल हुए हैं। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मुठभेड़ को नक्सलवाद के लिए एक और बड़ा झटका करार देते हुए कहा है कि सुरक्षाबलों ने 'नक्सल मुक्त भारत' के निर्माण की दिशा में बड़ी सफलता हासिल की है। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले सोमवार को इसी अभियान के दौरान मुठभेड़ में दो महिला नक्सली मारी गईं थीं तथा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कोबरा बटालियन का एक जवान घायल हो गया था। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर मैनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक जंगल में सोमवार देर रात और मंगलवार सुबह फिर से मुठभेड़ हुई, जिसमें 12 और नक्सली मारे गए। इसके साथ ही अभियान में मारे गए नक्सलियों की संख्या 14 हो गई है।

गरियाबंद के पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने बताया कि मृतकों में से एक की पहचान माओवादियों की केंद्रीय समिति के सदस्य जयराम उर्फ चलपति के रूप में हुई है, जिस पर एक करोड़ रुपये का इनाम था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शेष मारे गए नक्सलियों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। मंगलवार को हुई मुठभेड़ में तीन महिला नक्सली भी मारी गई हैं।

सैफ अली खान को लीलावती अस्पताल से छुट्टी मिली

मुंबई/भाषा। अभिनेता सैफ अली खान को मंगलवार शाम यहां स्थित लीलावती अस्पताल से छुट्टी मिल गई। पांच दिन पहले उनके घर में कथित लूटपाट के प्रयास के दौरान एक व्यक्ति ने उन्हें चाकू मारकर घायल कर दिया था। वह थोड़े कमजोर दिखे, लेकिन मुस्कराते हुए घर लौटे। अभिनेता की रीढ़ की हड्डी पर आई चोट के इलाज के लिए न्यूरोसर्जरी की गई और गर्दन तथा हाथों पर घावों को ठीक करने के लिए प्लास्टिक सर्जरी की गई। सफेद शर्ट, नीली जींस और काला चश्मा पहने 54 वर्षीय अभिनेता अस्पताल से बाहर निकलते समय मीडिया और प्रशंसकों की ओर हाथ हिलाते दिखे। सैफ के हाथ में पट्टी बंधी थी। उन्होंने इलाज के दौरान मिले समर्थन के लिए लोगों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। वह अस्पताल से निकलकर उनके इंतजार में खड़े काले वाहन में बैठे। उनके साथ सुरक्षाकर्मी भी थे। उनकी पत्नी एवं अभिनेत्री करीना कपूर खान को भी सैफ को छुट्टी मिलने से कुछ देर पहले अस्पताल में देखा गया।

राष्ट्रवाद के लिए खतरे के तौर पर उभर रहा जनसांख्यिकीय बदलाव : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- अपने लिए निर्णय लेना हर किसी का सर्वोच्च अधिकार है, लेकिन अगर वह निर्णय प्रलोभन द्वारा प्रेरित है और राष्ट्र की नैसर्गिक जनसांख्यिकी को बदलने की मंशा से है तो यह एक चिंता का विषय है जिस पर हम सभी को ध्यान देना चाहिए और समाधान करना चाहिए।

रायपुर/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि ''जनसांख्यिकीय बदलाव'' राष्ट्रवाद के लिए एक गंभीर खतरे के रूप में उभर रहा है। उन्होंने इसी के साथ प्रलोभन के माध्यम से ''नैसर्गिक जनसांख्यिकी'' को बदलने के प्रयासों के खिलाफ एकजुट प्रयासों का आह्वान किया।

विद्यार्थियों के साथ ''बेहतर भारत के निर्माण के लिए विचार'' विषय पर आयोजित संवाद कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति ने अवैध प्रवासन की समस्या से निपटने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि इसने ''अप्रबंधनीय आयाम'' का आकार ले लिया है।

राज्य की राजधानी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भिलाई के छात्र मौजूद थे।

उपराष्ट्रपति ने कहा, ''चिंता का एक गंभीर कारण है जिसका हमें एकजुट होकर समाधान करने की जरूरत है। जनसांख्यिकीय बदलाव के रूप में हमारे राष्ट्रवाद के लिए खतरे उभर रहे हैं। जनसांख्यिकीय बदलाव बहुत गंभीर है।'' उन्होंने आरोप लगाया, '' नैसर्गिक जनसांख्यिकीय विकास सुखदायक, सामंजस्यपूर्ण है। लेकिन, अगर जनसांख्यिकीय विस्फोट केवल लोकतंत्र को अस्थिर करने के लिए होता है, तो यह चिंता का विषय है और हम प्रलोभन के माध्यम से धर्मांतरण का आयोजन कर रहे हैं।''

उपराष्ट्रपति ने कहा, '' अपने लिए निर्णय लेना हर किसी का सर्वोच्च अधिकार है, लेकिन अगर वह निर्णय प्रलोभन द्वारा प्रेरित है और राष्ट्र की नैसर्गिक जनसांख्यिकी को बदलने की मंशा से है तो यह एक चिंता का विषय है जिस पर हम सभी को ध्यान देना चाहिए और समाधान करना चाहिए।'' उन्होंने घुसपैठ के मुद्दे को उठाया और देश में इसके प्रभाव को रेखांकित किया।

धनखड़ ने कहा, ''हम करोड़ों की आबादी वाले इस देश में घुसपैठ का सामना कर रहे हैं। अगर हम संख्या गिनें तो... दिमाग चकरा जाता है। घुसपैठियों से निपटना होगा, लेकिन ऐसी स्थिति पैदा हुई है कि सांकेतिक प्रतिरोध भी नहीं होता। यह एक ऐसी समस्या है जिससे हमें निपटना होगा क्योंकि इसने अप्रबंधनीय आयाम को हासिल कर लिया है।''

:।। प्रथम पुण्य स्मरण ।।:

स्व. श्री मोहनलालजी जिन्दल
(स्वर्गवास : दि. 22.01.2024)
सुपुत्र: स्व. श्री शिवलालजी जिन्दल

पिता जीवन है। शक्ति है।
पिता श्रृष्टि के निर्माण की अभिव्यक्ति है।
पिता की कमी को कोई पूरा नही कर सकता और
ईश्वर भी उनके आशीषों को काट नही सकता।
आपका आशीर्वाद एवं स्नेह सदैव बना रहें।

:: श्रद्धावनत ::

सुशील, अभिषेक, शिवेक एवं
समस्त जिन्दल परिवार

:: प्रतिष्ठान ::

JINDAL STEELS
BANGALORE.
M.: 9611557557, 8123161151.

'हमारी वाणी ही स्वर्ग और नरक का निर्माण करती है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में विनयमुनिजी खींचन ने कहा कि अधूरा ज्ञान और अधूरी जानकारी खतरनाक होती है। अधूरे ज्ञान से भ्रांतियां बढ़ती है और सत्य आवरण में आ जाता है। आज धर्म और संप्रदाय में विरोधाभास का प्रमुख कारण आधा अधूरा ज्ञान है। हमने शास्त्र को ही शस्त्र बना लिया है और स्वयं की मान्यता थोपना शुरू करने के कारण आम जन भ्रमित हो रहा है। विनयमुनिजी ने कहा कि यह जीवन पानी का बुदबुदा है। व्यक्ति चला जाता है और यश-अपयश रह जाता है।

हमारी वाणी ही हमारे लिए यहां पर स्वर्ग और नरक का निर्माण करती है। द्वेष से दूरियां बढ़ती है और अच्छे व्यवहार की छाप बनती है। हम गुण ग्राही बने और दोष दृष्टि से बचें। नरमाई में सार है। गरमाई में हार है। चेतन से स्नेह रखें क्योंकि जड़ से स्नेह करने पर हम अपनी आत्मा को ही भूल जाते हैं। अलसूर जैन श्रावक संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि मुनि का बुधवार का प्रवचन भी अलसूर में होगा।

रिहर्सल

अमृतसर में मंगलवार को गुरु नानक स्टेडियम में आगामी गणतंत्र दिवस समारोह के लिए रिहर्सल में भाग लेते छात्र।

'अपना डॉट को' छत्तीसगढ़ सरकार के साथ मिलकर कैरियर पोर्टल लाएगी

मुंबई/भाषा। नौकरी एवं पेशेवर नेटवर्किंग मंच 'अपना डॉट को' ने मंगलवार को कहा कि उसने स्नातक करने वाले युवाओं को नियोक्ताओं से जोड़ने के लिए एक 'करियर पोर्टल' पेश करने का छत्तीसगढ़ सरकार के साथ समझौता किया है। 'अपना डॉट को' ने एक बयान में कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के तकनीकी शिक्षा विभाग (डीटीई) के साथ एक समर्पित करियर पोर्टल लाने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

यह पोर्टल राज्य भर में छात्रों और नए स्नातकों को सात लाख से अधिक नियोक्ताओं से जोड़कर और सालाना 1.50 लाख रोजगार की सुविधा प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने का आधार तैयार करेगा।

यह साझेदारी छत्तीसगढ़ के रोजगार बाजार की उभरती मांगों को पूरा करने के लिए सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, प्रशासन एवं आईटी सहयोग, बिक्री एवं व्यवसाय विकास, बैंकिंग एवं वित्त सेवा, स्वास्थ्य सेवा और आतिथ्य जैसे प्रमुख क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

'अपना डॉट को' के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी निर्मित पारिख ने कहा, इस साझेदारी से हम छत्तीसगढ़ के युवाओं को न केवल तत्काल रोजगार अवसर प्रदान करेंगे, बल्कि स्थायी करियर बनाने के लिए आवश्यक दीर्घकालिक संसाधन और उपकरण प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करेंगे।

शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली, सेंसेक्स 1,235 अंक टूटकर सात महीने के निचले स्तर पर

मुंबई/भाषा

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने के साथ ही दुनिया में व्यापार युद्ध गहराने की आशंका और विदेशी निवेशकों की निकासी जारी रहने से घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को धड़ाम हो गए। व्यापक बिकवाली से सेंसेक्स 1,235 अंकों का गोता लगाते हुए सात महीने के निचले स्तर पर बंद हुआ। इस चौतरफा बिकवाली के बीच निवेशकों ने एक ही दिन में सात लाख करोड़ रुपए से अधिक की पूंजी गंवा दी।

विश्लेषकों ने कहा कि ट्रंप के फैसलों को लेकर व्यापार जगत में व्याप्त आशंकाएं उनके शपथ लेने के साथ ही गहराने लगी हैं। इसके साथ दिग्गज कंपनियों आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज में बिकवाली से भी धारणा प्रभावित हुई।

बेहद उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 1,235.08 अंक यानी 1.60 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 75,838.36 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 1,431.57 अंक फिसलकर 75,641.87 पर आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी भी 320.10 अंक यानी 1.37 प्रतिशत गिरकर 23,024.65 पर बंद हुआ। यह छह जून, 2024 के बाद का सबसे निचला स्तर है। कारोबार के दौरान एक समय निफ्टी 367.9 अंक गिरकर 22,976.85 पर आ गया था। बड़े पैमाने पर बिकवाली होने से बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 7,52,520.34 करोड़ रुपए घटकर 4,24,07,205.81 करोड़ रुपए (4.90 लाख करोड़ डॉलर) रह गया। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, अस्थिरता हावी होने के बीच घरेलू बाजारों में काफी गिरावट देखी गई। ट्रंप ने अपने शपथ ग्रहण के ही दिन पड़ोसी देशों पर व्यापार शुल्क लगाने की घोषणा कर दी जिससे वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता बढ़ गई।

नायर ने कहा कि तीसरी तिमाही के नतीजों में कमजोरी के बीच डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट की वजह से भी संस्थागत विदेशी निवेशक (एफआईआई) अधिक निकासी कर सकते हैं।

सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से जोमैटो के शेयरों में सर्वाधिक 10.92 प्रतिशत की बड़ी गिरावट देखी गई। कमजोर तिमाही नतीजों के बाद जोमैटो के निवेशकों ने बिकवाली का रुख किया। इसके अलावा एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा और एक्सिस बैंक में प्रमुख रूप से गिरावट रही। चौतरफा बिकवाली का इस कदर जोर देखने को मिला कि सेंसेक्स की कंपनियों में से सिर्फ अल्ट्राटेक सीमेंट और एचसीएल टेक्नोलॉजीज ही लाभ की स्थिति में रहीं।

मझोली कंपनियों से जुड़ा बीएसई मिडकैप सूचकांक में दो प्रतिशत और छोटी कंपनियों के स्मालकैप सूचकांक में 1.94 प्रतिशत की बड़ी गिरावट देखी गई।

क्षेत्रवार सूचकांकों में रियल्टी खंड में 4.22 प्रतिशत की बड़ी गिरावट रही। इसके अलावा टिकाऊ उपभोक्ता खंड में 3.99 प्रतिशत और विवेकाधीन उपभोक्ता खंड में 2.90 प्रतिशत की गिरावट रही।

उच्च न्यायालय न्यायाधीशों के वेतन आयोग की सिफारिशों पर समिति गठित करें : न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को सभी उच्च न्यायालयों से कहा कि वे द्वितीय राष्ट्रीय न्यायाधीश वेतन आयोग की सिफारिशों के कार्यान्वयन पर जिला न्यायिक अधिकारियों की शिकायतों के समाधान के लिए दो न्यायाधीशों की समिति के गठन में तेजी लाएं।

न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने यह आदेश उस समय पारित किया जब न्याय मित्र के रूप में सहायता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता के. परमेश्वर ने कहा कि कई उच्च न्यायालयों ने अभी तक जिला न्यायपालिका की सेवा शर्तों के लिए समितियां (सीएससीडीजे) गठित नहीं की हैं, जैसा कि पीठ ने पहले निर्देश दिया था।

राजौरी जिले के गांव में रहस्यमयी मौतें : अब्दुल्ला

बधाल(जम्मू कश्मीर)/भाषा

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला मंगलवार को उन शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त करने राजौरी जिले के सुदूर बधाल गांव आए जिनके 13 बच्चों सहित 17 सदस्यों की पिछले डेढ़ महीने में रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई है।

केंद्र शासित प्रदेश के जल शक्ति, वन और जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा और नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक जावेद इकबाल चौधरी के साथ गांव पहुंचे अब्दुल्ला ने पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया और कहा, इस कठिन समय में हम आपके साथ खड़े हैं''।

राजौरी जिला मुख्यालय से लगभग 55 किलोमीटर दूर पहाड़ी गांव पहुंचने के तुरंत बाद, अब्दुल्ला कब्रिस्तान गए और मृतकों के लिए 'फातिहा'पढ़ा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने मोहम्मद असलम सहित शोक संतप्त परिवारों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की जिन्होंने अपने छह बच्चों और अपने मामा तथा मामी को खो दिया। उसके मामा मामी ने पिछले सप्ताह उन्हें गोद लिया था। इस त्रासदी के बाद असलम और उनकी पत्नी अपने परिवार में एकमात्र जीवित बचे हैं।

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने मोहम्मद रफीक से भी मुलाकात की, जिनकी पत्नी और तीन बच्चों की 12 दिसंबर को मौत हो गई थी। उन्होंने फजल हुसैन के माता-पिता से भी मुलाकात की। फजल और उनके चार बच्चों की सबसे पहले सात दिसंबर को रहस्यमयी परिस्थितियों में मौत हुई थी।

अधिकारियों के मुताबिक अब तक 17 लोगों की मौत हुई है जिनमें 13 बच्चे शामिल हैं जिनकी उम्र तीन से 15 साल के बीच थी।

मुख्यमंत्री का दौरा ऐसे दिन हो रहा है जब एक उच्च स्तरीय अंतर-मंत्रालयी टीम मौतों के कारण का पता लगाने के लिए अपनी जांच के तहत गांव का दौरा कर रही है। अब्दुल्ला ने तीन परिवारों के जीवित सदस्यों से कहा, कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी, जो भी आवश्यक कदम होंगे उठाए जाएंगे। दुख की इस कठिन घड़ी में हम आपके साथ हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह पता लगाने की पूरी कोशिश की है कि गांव में क्या हो रहा है, क्या ये मौतें किसी रहस्यमयी बीमारी की वजह से तो नहीं हुईं।मुख्यमंत्री ने कहा, नमूने परीक्षण के लिए गए थे और अगर यह कोई बीमारी होती तो पता चल जाता। मौतें एक-दूसरे से संबंधित तीन परिवारों तक ही सीमित थीं।' उन्होंने कहा, हमें इस बात पर विशेष ध्यान देना होगा कि गांव में और कोई मौत न हो।

अब्दुल्ला ने कहा कि पुलिस ने इस आशंका पर संज्ञान लिया है कि कहीं यह साजिश तो नहीं है।

अब्दुल्ला ने कहा, नागरिक प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और पुलिस जांच कर रहे हैं और हमारे पास केंद्रीय टीम भी है जिसने कुछ उपाय सुझाए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करने आये हैं।

इससे पहले, जम्मू-कश्मीर सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि जांच और नमूनों से स्पष्ट तौर पर संकेत मिला है कि मौतें बैक्टीरिया या वायरस की संचारी बीमारी के कारण नहीं हुईं और इसका कोई जन स्वास्थ्य पहलू नहीं है।

मुलाकात

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को वाशिंगटन में व्हाइट हाउस में 60वें राष्ट्रपति पद के शपथ ग्रहण समारोह में संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन से मुलाकात करते हुए।

ट्रंप प्रशासन में भारत को अमेरिका से अधिक ईंधन आने की संभावना : पुरी

नई दिल्ली/भाषा

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई वाले नए प्रशासन की तेल एवं गैस उत्पादन अधिकतम करने की योजनाओं को देखते हुए भारत में अधिक अमेरिकी ईंधन आने की संभावना है।

पुरी ने यहां वाहन उद्योग निकाय सियाम के एक कार्यक्रम में कहा कि भारत को तेल की आपूर्ति करने वालों की संख्या पहले ही 27 से बढ़कर 39 हो गई है और अगर इससे अधिक तेल आता है, तो भारत इसका स्वागत करेगा।

पुरी ने तेल उत्खनन और गैस उत्पादन बढ़ाने की दिशा में ट्रंप प्रशासन के कदमों के बारे में पूछे जाने पर कहा, अगर आप मुझसे पूछें कि क्या बाजार में और अधिक अमेरिकी ईंधन आने वाला है, तो मेरा जवाब हां है। अगर आप कहते हैं कि भारत और अमेरिका के बीच ईंधन की अधिक खरीद की प्रबल संभावना है, तो इसका जवाब हां है। हालांकि पुरी ने यह कहा कि सरकार नए अमेरिकी प्रशासन की घोषणाओं पर बहुत सावधानी से नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन द्वारा लिए गए कुछ निर्णय प्रत्याशित थे और इन पर प्रतिक्रिया देने से पहले इंतजार करने की जरूरत है।

हालांकि पुरी ने 2015 के पेरिस जलवायु समझौते से बाहर होने के नए अमेरिकी सरकार के फैसले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

पेट्रोलियम मंत्री ने अमेरिका, ब्राजील, गुयाना, सूरीनाम और कनाडा से अधिक तेल आने का जिक्र करने के साथ कीमतों में गिरावट का संकेत भी दिया। उन्होंने वाहन विनिर्माताओं से भारतीय बाजार में अधिक एथनॉल मिश्रण वाले फ्लेक्स ईंधन वाहनों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कहा।

इसके साथ ही पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि देश बहुत जल्द 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल करने जा रहा है, जो निर्धारित समय से पांच साल पहले होगा।

भारत को प्रधानमंत्री मोदी के रूप में 'सही समय पर सही नेता मिला': नायडू

दावोस/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को कहा कि भारत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रूप में सही समय पर सही नेता मिला है और वह देश को विभिन्न आर्थिक तथा सामाजिक मानदंडों पर शीर्ष पर ले जाएंगे। नायडू ने '2047 तक स्वर्ण आंध्र' पर एक आर्थिक कार्यबल की शुरुआत के मौके पर कहा कि उनके राज्य में विकास की अपार संभावनाएं हैं और वह सही रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा, भारतीय विश्व स्तर पर सर्वाधिक स्वीकार्य समुदाय हैं और यह भविष्य में भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रूप में हमें सही समय पर सही नेता मिला है।

बायो-एथनॉल को किफायती बनाने के लिए प्रणाली बनाने की जरूरत: होंडा मोटर

नई दिल्ली/भाषा। होंडा मोटर कंपनी ने मंगलवार को कहा कि भारत सरकार को बायो-एथनॉल ईंधन की कीमतों को उपयोगकर्ताओं के लिए अधिक किफायती बनाने के लिए एक प्रणाली बनाने की जरूरत है।

होंडा मोटर कंपनी लिमिटेड के मुख्य अभियंता हिरोया उएदा ने कहा कि कार्बन उत्सर्जन में कटौती के मामले में एथनॉल को मौजूदा ईंधन पर बढ़त हासिल है लेकिन कम ईंधन दक्षता के कारण इसे चलाने की लागत अधिक आती है। उन्होंने कहा कि ईंधन की परिचालन लागत एक मुद्दा होगी और बायोएथनॉल के उपयोग को बढ़ाने के लिए कुछ पहल की जा सकती हैं।

उएदा ने यहां वाहन उद्योग निकाय सियाम की तरफ से आयोजित एक संगोष्ठी में कहा, सरकार को अपनी नीतियों के जरिये ईंधन को अधिक किफायती बनाने और उपयोगकर्ताओं के लिए आर्थिक व्यवहार्यता बनाए रखने के लिए एक प्रणाली बनानी चाहिए।

इसके साथ ही उन्होंने वाहन निर्माताओं से भी ईंधन दक्षता में सुधार के लिए पहल जारी रखने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, एथनॉल ईंधन को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाए रखने के लिए प्रति किलोमीटर लागत को पेट्रोल वाहनों के बराबर या उससे कम रखा जाना चाहिए। इस लक्ष्य को पाने के लिए एथनॉल पर कर कम करने जैसे उपायों पर गौर करना चाहिए।

भारत में रोजगार बाजार को बढ़ावा देने की जरूरत : राजन

दावोस/भाषा

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने मंगलवार को भारत में बुनियादी ढांचे के मोर्चे पर बहुत अच्छा काम करने के लिए मोदी सरकार की सराहना की। उन्होंने साथ ही उम्मीद जताई कि रोजगार बाजार को बढ़ावा देने के लिए आगामी बजट में कुछ ठोस कदम उठाए जाएंगे।

राजन ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में अमेरिकी डॉलर पर आयोजित एक सत्र में कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में 85 रुपए के स्तर तक गिरावट किसी घरेलू कारक के बजाय अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने की वजह से है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने बुनियादी ढांचे के मोर्चे पर बहुत अच्छा काम किया है, लेकिन उपभोग को बढ़ावा देने के लिए दूसरा महत्वपूर्ण स्तंभ रोजगार बाजार है। इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

राजन ने कहा कि भारत छह प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जो वास्तव में बहुत अच्छा है, लेकिन जब हम प्रति व्यक्ति आंकड़ों को देखते हैं, तो इसे और अधिक तेजी से बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा, रोजगार बाजार को तत्काल बढ़ावा देने की जरूरत है। अगले कुछ दिनों में आम बजट आने वाला है और उम्मीद है कि हम इसमें कुछ देखेंगे।

राजन ने कहा कि जब लोग अगले 25 वर्षों में अमेरिकी डॉलर के सर्वोच्च बने रहने की बात करते हैं, तो यह निश्चित रूप से इस उम्मीद पर आधारित है कि दुनिया एकजुट रहेगी। उन्होंने कहा कि कई उभरते बाजारों के केंद्रीय बैंकों को डॉलर के मुकाबले अपनी मुद्राओं में गिरावट को रोकने के लिए हस्तक्षेप करने को मजबूर किया जा रहा है, लेकिन मुद्दा यह है कि उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए, क्योंकि इसमें उनकी गलती नहीं है।

राजन ने ब्रिक्स समूह के लिए एक साझा मुद्रा की किसी भी संभावना से फिलहाल इनकार किया। उन्होंने कहा, ब्रिक्स में एक साझा मुद्रा होने के लिए, हमें कई भू-राजनीतिक मुद्दों को सुलझाने की जरूरत है। भारत और चीन के बीच चिंताएं हैं, जबकि अन्य सदस्यों के पास अपने अलग मुद्दे हैं।

दिल्ली चुनाव: भाजपा ने सरकारी संस्थानों में 'केजी से पीजी' तक मुफ्त शिक्षा सहित किए कई वादे

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को अपने चुनावी घोषणापत्र का दूसरा हिस्सा जारी किया जिसमें सरकारी शिक्षण संस्थानों में जरूरतमंद छात्रों के लिए 'केजी से पीजी' तक मुफ्त शिक्षा का वादा किया गया है तथा घरेलू नौकरों और ऑटो-टैक्सी चालकों के लिए 10 लाख रुपए का बीमा और 5 लाख रुपए का दुर्घटना कवर देने का आश्वासन दिया गया है।

पार्टी ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा देने वाले उम्मीदवारों के लिए 15,000 रुपए की एकमुश्त सहायता का भी वादा किया।

दिल्ली में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आम आदमी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस ने दिल्ली में महिलाओं, छात्रों, बुजुर्गों, ऑटो-टैक्सी चालकों, घरेलू कामगारों, धोबी, फेरीवालों, मंदिर के पुजारियों और गुरुद्वारा ग्रंथियों सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लिए मुफ्त में योजनाओं का अंबार लगा दिया है।

भाजपा के संकल्प पत्र का दूसरा हिस्सा जारी करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि दिल्ली में आप सरकार के सत्ता में आने पर सभी 'अनियमितताओं' और 'घोटालों' की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया जाएगा। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि घोषणापत्र में किए गए वादों की व्यापक रूपरेखा पहले ही बताई जा चुकी है और पार्टी की सरकार बनने के बाद अंतिम तौर तरीकों और पात्रता मानदंड पर काम किया जाएगा। ठाकुर ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी यूपीएससी और राज्य सिविल सेवा परीक्षाओं के लिए 15,000 रुपए की एकमुश्त वित्तीय सहायता और दो बार फीस और यात्रा खर्च की प्रतिपूर्ति करेगी।

भाजपा ने यह भी आश्वासन दिया कि दिल्ली में उसकी सरकार राष्ट्रीय राजधानी में पॉलिटेक्निक और कौशल केंद्रों में अनुसूचित जाति (एससी) के छात्रों को 1,000 रुपए की मासिक सहायता प्रदान करने के लिए 'डॉ बी आर अंबेडकर वजीफा योजना' शुरू करेगी। भाजपा ने आखिरी बार 27 साल पहले दिल्ली की सत्ता संभाली थी। इसके बाद से वह यहां की सत्ता से बाहर है। पार्टी 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में क्रमशः केवल तीन और आठ सीट ही हासिल कर पाई थी। दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों के लिए पांच फरवरी को मतदान होगा और नतीजे आठ फरवरी को घोषित किए जाएंगे।

ठाकुर ने संवाददाताओं से कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) में भाजपा की सरकार बनने के बाद वह घरेलू कामगारों और ऑटो-टैक्सी चालकों के लिए कल्याण बोर्ड गठित करेगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा बोर्ड 10 लाख रुपए का बीमा और पांच लाख रुपए का दुर्घटना बीमा प्रदान करेगा और घरेलू कामगारों और ऑटो-टैक्सी चालकों के बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान करेगा। उन्होंने महिला घरेलू कामगारों के लिए छह महीने के मातृत्व अवकाश का भी वादा किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रेहड़ी-पटरी वालों के लिए प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत लाभार्थियों की संख्या दोगुनी की जाएगी।

पार्टी के सत्ता में आने पर बुनियादी ढांचे में सुधार और कल्याण की भाजपा की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए ठाकुर ने कहा कि आप सरकार राष्ट्रीय राजधानी में जल जीवन मिशन लागू करने में विफल रही है। उन्होंने दावा किया, जल जीवन मिशन के तहत पहाड़ों में 17 हजार फुट की ऊंचाई पर भी नल से पानी आता है लेकिन आप-दा (आप) सरकार ने इसे दिल्ली में लागू नहीं किया।

प्रियंका गांधी 'स्त्री शक्ति' हैं, राहुल 'युवा शक्ति' : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी वाद्रा की तुलना अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने वाली विभूतियों – कित्तूर रानी चेन्नम्मा और 'झांसी की रानी' लक्ष्मी बाई से की और कहा कि वह 'स्त्री शक्ति' का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने राहुल गांधी को 'युवा शक्ति' का प्रतीक बताया। यहां 'गांधी भारत' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने 1924 में महात्मा गांधी की अध्यक्षता में बेलगावी में हुए कांग्रेस के एक मात्र अधिवेशन के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम आयोजित किया है।

उन्होंने कहा, अगर कोई कित्तूर की चेनम्मा हैं तो प्रियंका गांधी हैं। अगर कोई झांसी की रानी हैं तो प्रियंका गांधी हैं। वह बहुत मजबूत हैं। राजीव गांधी की हत्या के बाद उन्होंने ही परिवार को संभाला। हमारे पास स्त्री शक्ति (प्रियंका गांधी में) और युवा शक्ति राहुल गांधी हैं। 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा गया और उन पर हाल ही में राज्यसभा में भारतीय संविधान और इसके निर्माता बी.आर. आंबेडकर का 'अपमान' करने का आरोप लगाया गया। केंद्रीय मंत्री शाह ने आरोपों को ढूठ बताकर खारिज कर दिया था।

खरगे ने बेलगावी में दिए गए महात्मा गांधी के प्रसिद्ध बयान को भी याद किया, मैं जिंदा रहना चाहता हूं भारत के लिए, मरना चाहता हूं भारत के लिए। उन्होंने दावा किया कि गांधी की हत्या करने वाला नाथूराम गोडसे हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर का शिष्य था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह हालांकि गांधी के प्रति सम्मान दिखाते हैं, लेकिन वास्तव में वे गोडसे की पूजा करते हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने भाजपा पर जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभभाई पटेल तथा गांधी और आंबेडकर के बीच मतभेद का आरोप लगाकर खेल खेलने का भी आरोप लगाया। भाजपा के कांग्रेस ने आंबेडकर की हार सुनिश्चित करके उनका अपमान करने के दावे का खंडन करते हुए खरगे ने जनता को एक पत्र दिखाया, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि यह आंबेडकर द्वारा उनके मित्र कमलाकांत को लिखा गया था, जिसमें उन्होंने उल्लेख किया था कि सावरकर और एस.ए. डांगे उनकी हार के लिए जिम्मेदार थे।

खरगे ने कहा, आज भाजपा आंबेडकर का नाम जपती है और संविधान के आगे सिर झुकाती है। यह क्या नौटंकी है? अगर संविधान, आंबेडकर और नेहरू की मूर्तियां जलाने वाला कोई है तो वह भाजपा और आरएसएस और हिंदू महासभा है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि यह उनकी पार्टी थी जिसने आंबेडकर को चुनाव जीतने में मदद की थी।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वविद्यालयों में दलितों और पिछड़े समुदायों को परेशान कर रहा है, जबकि सरकारी क्षेत्र में दलितों के लिए भर्तियां हो रही हैं। देश में हो रहे मस्जिदों के सर्वेक्षणों पर खरगे ने कहा, भाजपा और आरएसएस मस्जिदों के नीचे मंदिर ढूंढ रहे हैं। वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? उन्हें पछताना पड़ेगा क्योंकि यह देश की एकता के लिए खतरनाक है। कांग्रेस नेता ने मोदी पर उनके इस कथित बयान के लिए कटाक्ष किया कि लोगों को महात्मा गांधी के बारे में रिचर्ड एटनबरो की फिल्म गांधी देखने के बाद पता चला।

क्या भाजपा शासन के दौरान दुष्कर्म नहीं हुए ? : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु/बेलगावी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को आश्चर्य जताते हुए सवाल उठाया कि क्या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासन के दौरान दुष्कर्म की घटनाएं नहीं हुई? बेंगलूरु स्थित के.आर. मार्केट में रविवार को एक महिला के साथ दुष्कर्म की घटना के बाद मुख्यमंत्री राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने के भाजपा के आरोप का जवाब दे रहे थे। येलहंका जाने वाली बस का इंतजार कर रही पीड़िता के साथ दो लोगों ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया और इस सिलसिले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने पत्रकारों को बताया, घटना एसजे पार्क में हुई। जबरन वसूली और यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायत है। दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बेलगावी में पत्रकारों से बात करते हुए इस संबंध में भाजपा के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए

सिद्दरामय्या ने सवालिया अंदाज में कहा, क्या भाजपा शासन के दौरान दुष्कर्म नहीं हुए? हालांकि उन्होंने कहा कि दुष्कर्म नहीं होने चाहिए और महिलाओं की सुरक्षा होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, समाज में असामाजिक तत्व ऐसी हरकतें करते हैं। हम उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे।

भाजपा ने मंगलवार को गृह मंत्री जी. परमेश्वर के इस्तीफे की मांग करते हुए दावा किया कि लूट, हत्या, दुष्कर्म और समाज के कमजोर वर्गों पर अत्याचार जैसे अपराध अचानक बढ़ गए हैं।

राहुल से डरती है सरकार, भाजपा-आरएसएस की 'विचाराधारा कायरों की': प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वंयसेक संघ (आरएसएस) पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि दोनों की विचारधारा कायरों की है, जबकि मुख्य विपक्षी दल देश के लिए मर-मिटने का विचार रखता है। उन्होंने यहां 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली' को संबोधित करते हुए यह दावा भी किया कि केंद्र सरकार लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से डरती है क्योंकि वह संविधान की लड़ाई लड़ रहे हैं। इस सभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल तथा पार्टी के कई अन्य नेता मौजूद थे।

राहुल गांधी अस्वस्थ होने के कारण इस रैली में शामिल नहीं हो सके। प्रियंका गांधी ने रैली में कहा, यह संविधान कोई पुस्तक नहीं है, बल्कि आपका (जनता) सुरक्षा कवच है...बाबासाहेब ने इसमें लोकतंत्र की सुरक्षा समाहित की है। प्रियंका गांधी ने कहा कि बाबासाहेब सामाजिक न्याय और अधिकार का प्रतीक हैं।

कांग्रेस नेता ने संसद में गृह मंत्री अमित शाह के बयान का हवाला देते हुए कहा, बहुत सरकारें आईं और बहुत सरकारें गईं, अनेक पार्टियों की सरकारें बनी, लेकिन कोई ऐसी सरकार नहीं आई जिसके गृह मंत्री ने संसद में खड़े होकर बाबासाहेब का अपमान किया हो। आज तक कोई सरकार (सत्ता में) नहीं रही जिसके मंत्रियों ने चुनाव में घूम-घूम कर संविधान बदलने का ऐलान किया हो। उन्होंने कहा, क्या कोई सोच सकता था कि आजादी के इतने वर्षों बाद कहा जाएगा कि देश को 1947 में स्वतंत्रता नहीं मिली। किसी ने नहीं सोचा था कि इस तरह का अपमान सरकार की तरफ से किया जाएगा।

प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि देश के गृह मंत्री ने बाबासाहेब का अपमान करके लोकतंत्र का अपमान किया है और स्वतंत्रता सेनानियों तथा आजादी के लिए शहीद होने वाले लोगों का अपमान किया है। उन्होंने दावा किया कि आरएसएस की विचारधारा ने संविधान के निर्माण के समय भी अपमान किया और संविधान के खिलाफ अभियान चलाया था। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि जब बाबासाहेब ने महिला अधिकार की बात की थी तो आरएसएस के लोगों ने उनके पुतले जलाए थे।

उन्होंने कहा, भाजपा इसी विचार से उपजी है और इसलिए आज उसके लोग हमारे संविधान का अपमान कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि आज की सरकार संविधान पर प्रतिदिन हमला करती है। प्रियंका गांधी के अनुसार, देश की जनता ने 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखाया।

उन्होंने कहा, मोदी जी घबरा गए और जब चुनाव के बाद संसद में गए तो संविधान को माथे से लगाया। प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी का उल्लेख करते हुए दावा किया, वह रोज संविधान के लिए लड़ते हैं और इसके लिए जान देने के लिए तैयार हैं। इसीलिए यह सरकार राहुल गांधी से डरती हैं...उनको देखकर कांपती है कि वह सच्चाई की लड़ रहे हैं। उनके खिलाफ कई मामले दर्ज करा दिए हैं। उन्होंने कहा, न राहुल जी डरेंगे, न खरगे जी डरेंगे, न ही मैं डरूंगी और कांग्रेस का कोई नेता डरने वाला नहीं है क्योंकि हमारी विचारधारा सच्चाई है। भाजपा और आरएसएस की तरह कायरों की विचारधारा हमारी नहीं है। हम अपनी विचाराधारा के लिए मर मिटने के लिए तैयार हैं। प्रियंका गांधी ने कहा, हमारी परंपरा शहीदों की है, जेल से माफी की चिट्ठी लिखने की नहीं है। हमारी परंपरा हर एक देशवासी की परंपरा है।

प्रियंका गांधी ने कहा, भाजपा के लोग संविधान विरोधी हैं क्यों आरक्षण खत्म करना चाहते हैं, सामाजिक न्याय के खिलाफ बयान देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग को शक्तिहीन बना दिया गया है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि जहां भाजपा की सरकार होती है वहां महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों को बचाया जाता है। प्रियंका गांधी ने रैली में मौजूद लोगों से कहा, क्या आपने अदाणी का नाम सुना है? वह वो उद्योगपति हैं जिन्हें देश की सारी संपत्ति सौंप दी गई है। हम जब संसद में आवाज उठाते हैं तो हमारी आवाज बंद कराने की कोशिश की जाती।

'डिजिटल अरेस्ट' कर धोखाधड़ी करने के मामले में तीन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पुलिस ने गत वर्ष नवंबर में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को 'डिजिटल अरेस्ट' कर उससे 11.8 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि 10 जनवरी को अहमदाबाद में आरोपी धवल भाई शाह (34) को गिरफ्तार किया गया वहीं, महाराष्ट्र के ठाणे जिले के उल्हासनगर से तरुण नाटाणी (24) व करन शामदासानी (28) की गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने कहा कि उन्होंने इन आरोपियों के अलग-अलग खातों से 3.7 करोड़ रूपये की राशि जब्ती की है और गिरोह के अन्य सदस्यों का पता लगाने की हरसंभव कोशिश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, गिरोह का संदिग्ध सरगना दुबई में हो सकता है जहां से वह गिरोह को संचालित करता है। वहीं, पुलिस ने बताया कि पीड़ित 39 वर्षीय विजय कुमार को एक महीने तक 'डिजिटल अरेस्ट' करके रखा गया था। 'डिजिटल अरेस्ट' के मामलों में ठग खुद को कानून प्रवर्तन अधिकारी बताकर लोगों को ऑडियो या वीडियो कॉल करके डराते हैं और उन्हें फर्जी मामलों में आरोपी बताकर गिरफ्तार करने की धमकी देकर उनके ही घर में डिजिटल तौर पर बंधक बना लेते हैं। पुलिस की जानकारी के मुताबिक, 25 नवंबर से 12 दिसंबर के बीच हुई इस धोखाधड़ी के मामले में जालसाजों ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर काले धन को जमा करने के लिए पीड़ित के आधार का दुरुपयोग कर बैंक खाते खोले। पीड़ित की शिकायत के अनुसार, 11 नवंबर को एक व्यक्ति का फोन आया जिसमें वह खुद को भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) का अधिकारी बता रहा था। उस व्यक्ति ने फोन पर दावा किया कि पीड़ित के आधार से जुड़े सिम कार्ड का इस्तेमाल अवैध विज्ञापनों एवं परेशान करने वाले संदेशों के लिए किया गया था।

जालसाज ने पीड़ित को धमकाते हुए उसके खिलाफ मुंबई के कोलाबा साइबर पुलिस थाने में इस बाबत मामला दर्ज होने का दावा किया। दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक, पीड़ित को फिर से एक व्यक्ति का फोन आया जिसने खुद को पुलिस अधिकारी बताते हुए दावा किया कि उसके आधार की जानकारी का दुरुपयोग काले धन को जमा करने के लिए बैंक खाते खोलने में किया जा रहा है। जालसाजों ने पीड़ित को इस मामले की जानकारी गोपनीय रखने की धमकी देते हुए चेतावनी दी कि अगर उसने डिजिटल तरीके से पूछताछ में सहयोग नहीं किया तो उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। प्राथमिकी के अनुसार पीड़ित ने गिरफ्तारी के डर से अलग-अलग बैंक खातों में कई बार में कुल 11.8 करोड़ रुपये भेजे। जब जालसाजों ने और रुपयों की मांग की, तब पीड़ित को धोखाधड़ी के शिकार होने का ऐहसास हुआ और उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

एयरो इंडिया शो की वजह से व्यावसायिक उड़ानें प्रभावित होंगी

बेंगलूरु। बेंगलूरु में आगामी 'एयरो इंडिया शो 2025' के मद्देनजर केंपेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर व्यावसायिक उड़ानों का परिचालन 5 से 14 फरवरी तक प्रभावित रहेगा। केंपेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन करने वाले बेंगलोर अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तन लिमिटेड (बायल) ने इस संबंध में यात्री परामर्श जारी किया। बायल ने मंगलवार को कहा, 5 से 14 फरवरी तक रोजाना कुछ घंटे के लिए हवाई क्षेत्र बंद रहने की वजह से केंपेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर व्यावसायिक विमान परिचालन प्रभावित होगा। यह वायु सेना केंद्र पर आगामी एयरो इंडिया शो 2025 के चलते हो रहा है।

कांग्रेस महात्मा गांधी के 'हिंदुत्व' में विश्वास करती है: सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को कहा कि महात्मा गांधी एक प्रखर हिंदू थे और कांग्रेस गांधी के हिंदुत्व में विश्वास करती है। सिद्दरामय्या ने बेलगावी में 'सुवर्ण विधान सौध' के सामने महात्मा गांधी की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर कहा, भाजपा ने हमेशा महात्मा गांधी को हिंदू विरोधी के रूप में पेश किया, लेकिन लोगों को समझना चाहिए कि यह 100 प्रतिशत झूठ है।

'सुवर्ण विधान सौध' कर्नाटक विधानमंडल का भवन है जहां साल में एक बार सत्र का आयोजन होता है। महात्मा गांधी की प्रतिमा के अनावरण के कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, राज्य के उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार, कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल, प्रदेश प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला तथा पार्टी के कई अन्य पदाधिकारी, मंत्री, सांसद और विधायकों ने भाग लिया। यह कांग्रेस के 1924 के बेलगावी अधिवेशन के 100 साल पूरा होने के मौके पर आयोजित किया गया था। उस सत्र में महात्मा गांधी पहली और आखिरी बार कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, महात्मा गांधी हमेशा भगवान राम का नाम लेते थे। जब नाथूराम गोडसे ने उनकी हत्या की, तो उन्होंने 'हे राम' कहा था...वह एक प्रखर हिंदू थे। उनके अनुसार, महात्मा गांधी कभी भी हिंदू आस्था के ख़िलाफ़ नहीं थे बल्कि वह हिंदू धर्म में सुधार लाना चाहते थे। वह हमेशा हिंदू और मुसलमानों को भाइयों की तरह रहते हुए देखना चाहते थे।

सिद्दरामय्या ने कहा, हम महात्मा गांधी के हिंदुत्व में विश्वास करते हैं और वे (भाजपा) समाज को विभाजित करने में विश्वास करते हैं। वे मनुवादी हैं। हम भारतीय संविधान में विश्वास करते हैं और भाजपा कांग्रेस की विचारधारा के खिलाफ है। इसलिए हमें संविधान की रक्षा करनी चाहिए और लोकतंत्र को बचाना चाहिए। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि भाजपा पिछले कई सालों से संविधान को कमजोर करने की कोशिश कर रही है।

न्यायाधीश ने अंबेडकर का जिक्र किया, संविधान निर्माण में ब्राह्मणों के योगदान पर प्रकाश डाला

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति कृष्ण एस दीक्षित ने संविधान निर्माता डॉ बी आर अंबेडकर के एक कथन जिक्र किया और संविधान निर्माण में ब्राह्मणों के योगदान पर प्रकाश डाला। न्यायमूर्ति दीक्षित ने अखिल कर्नाटक ब्राह्मण महासभा की स्वर्ण जयंती के अवसर पर 18-19 जनवरी को आयोजित दो दिवसीय ब्राह्मण सम्मेलन 'विश्वामित्र' में अपने संबोधन में कहा, डॉ. आंबेडकर ने एक बार भंडारकर इंस्टीट्यूट में कहा था कि यदि बी एन राव ने संविधान का मसौदा तैयार नहीं किया होता तो इसे तैयार होने में 25 साल और लग जाते। न्यायमूर्ति दीक्षित ने कहा कि संविधान की मसौदा समिति के सात सदस्यों में से तीन – अल्लादी कृष्णस्वामी अय्यर, एन गोपालस्वामी अयंगर और बी एन राव ब्राह्मण थे। ब्राह्मणों पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि इस शब्द को जाति के बजाय वर्ण से जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वेदों का वर्गीकरण करने वाले वेदव्यास मछुआरे के पुत्र थे और रामायण लिखने वाले महर्षि वाल्मीकि या तो अनुसूचित जाति से या अनुसूचित जनजाति से थे।

उन्होंने कहा, क्या हमने (ब्राह्मणों ने) उन्हें नीची नजर से देखा है? हम सदियों से भगवान राम की पूजा करते आए हैं और उनके मूल्यों को संविधान में सम्मलित किया गया है न्यायमूर्ति दीक्षित ने पूर्व में खुद के गैर-ब्राह्मण राष्ट्रवादी आंदोलनों के साथ जुड़े होने का भी उल्लेख किया और कहा कि न्यायाधीश बनने के बाद उन्होंने अन्य सभी गतिविधियों से खुद को अलग कर लिया है और वह न्यायिक दायरे के भीतर ही ये बातें कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में उपस्थित न्यायमूर्ति वी. श्रीशानंद ने ऐसे समारोहों की आवश्यकता का बचाव किया तथा उन आलोचकों को जवाब दिया जिन्होंने व्यापक सामाजिक-आर्थिक संघर्षों के बीच इस सम्मेलन की भव्यता पर सवाल उठाया था।

यूडीएफ ने केरल विधानसभा में माकपा पार्षद के अपहरण का मुद्दा उठाया

तिरुवनंतपुरम/दक्षिण भारत। कांग्रेस नीत यूडीएफ ने मंगलवार को राज्य विधानसभा में महिला सुरक्षा का मुद्दा उठाया और कोच्चि के निकट कूथाटुकुलम में माकपा पार्षद के कथित अपहरण की घटना का जिक्र किया तथा आरोप लगाया कि पुलिस भी इस घटना में शामिल है। यूडीएफ ने कुछ विपक्षी विधायकों (जिनमें अनूप जैकब भी शामिल हैं) द्वारा पेश किए गए नोटिस में इस मुद्दे को उठाया, जिसमें 18 जनवरी को कूथाटुकुलम नगरपालिका के बाहर जो कुछ हुआ, उस पर चर्चा करने के लिए सदन का सभी कामकाज रोकने की मांग की गई थी। विपक्षी यूडीएफ द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव से पहले 18 जनवरी को एलडीएफ शासित नगर पालिका के बाहर नाटकीय दृश्य सामने आए थे जब माकपा की महिला पार्षद कला राजू को प्रस्ताव पर वोट देने के लिए पहुंचते ही कथित तौर पर दिनदहाड़े अगवा कर लिया गया। सदन की अन्य कार्यवाही स्थगित करने की मांग का मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने विरोध किया और इसे खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है, जांच शुरू कर दी गई है और चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वास्तव में उस दिन जो हुआ वह नगरपालिका पर नियंत्रण पाने के लिए माकपा के एक पार्षद को अपने पक्ष में प्रभावित करने का यूडीएफ का विफल प्रयास था। उन्होंने कहा कि विपक्ष की ओर से इस तरह की हरकतें निंदनीय हैं और राजनीतिक नैतिकता के अनुरूप नहीं हैं। अनुमति न दिए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने मुख्यमंत्री पर राजू के कथित रूप से पाला बदलने का मुद्दा उठाकर माकपा पार्षद के अपहरण को उचित ठहराने का आरोप लगाया।

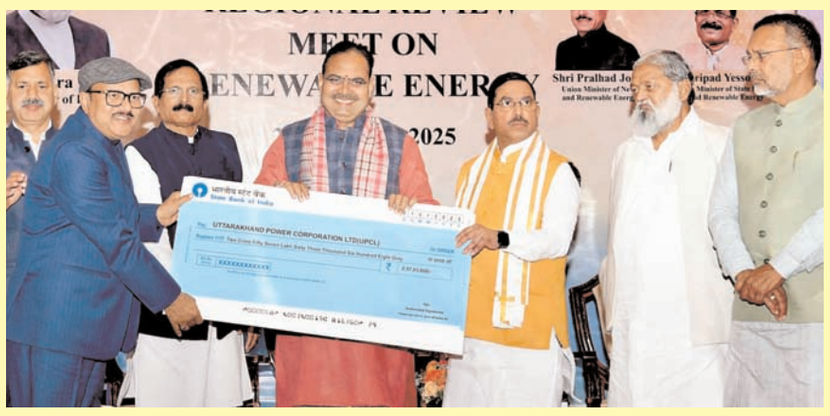

आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के लिए नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहित करना हम सबका कर्तव्य : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केन्द्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2030 तक देश में अक्षय ऊर्जा का उत्पादन 500 गीगावाट तक बढ़ाने, वर्ष 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा से ऊर्जा आवश्यकता का 50 प्रतिशत पूरा करने तथा वर्ष 2070 तक देश को नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन तक ले जाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। इस प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में केन्द्र और राज्य सरकारें तेजी से काम कर रही हैं। जोशी मंगलवार को जयपुर के एक होटल में आयोजित नवीकरणीय ऊर्जा पर क्षेत्रीय समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2032 तक देश की ऊर्जा आवश्यकता दोगुनी होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि दस साल पहले भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था था। सबसे तेज गति से प्रगति करते हुए देश आज 5 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्र आगे बढ़ सकें, इसके लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है।

केन्द्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कॉप 2026) के अनुसार आने वाले समय में कार्बन उत्सर्जन घटाने और पर्यावरण हितैषी ऊर्जा को प्रोत्साहन देने के लिए आने वाले वर्षों में विश्व के कई देशों में जीवाश्म ईंधन के औद्योगिक उपयोग पर हरित टैक्स लगाने की तैयारी की जा रही है। ऐसे में भारतीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाए रखने और ग्लोबल वार्मिंग से निपटते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहित करना हम सबका कर्तव्य है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ऊर्जा के दक्ष उपयोग, नवीकरणीय स्रोतों को अपनाने और नई ऊर्जा नीतियों को विकसित करने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने ऊर्जा क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान अक्षय ऊर्जा में बड़ी भूमिका निभायेगा और विकसित राजस्थान 2047 का संकल्प पूरा करने में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान स्वच्छ ऊर्जा नीति- 2024 जारी की है जिसमें वर्ष 2030 तक 125 गीगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापना करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसमें भी 28 लाख करोड़ से अधिक तो अकेले ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित है। इन एमओयू से स्थापित होने वाली परियोजनाओं से प्रदेश में सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

उन्होंने कहा कि राजस्थान कुसुम योजना में देश का अग्रणी राज्य है। इस योजना में राज्य में 5 हजार मेगावाट से अधिक की सौर परियोजनाए विकसित की जा रही हैं। उन्होंने कुसुम 2.0 की शुरुआत करने का केन्द्र सरकार से आग्रह किया ताकि इस योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे। उन्होंने राज्य को 5 हजार मेगावाट की नवीन क्षमता का आवंटन करने के लिये केन्द्र सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आगामी समय में कृषि विद्युत भार की पूर्ति सौर ऊर्जा से करने पर भी राज्य सरकार कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत राज्य में 5 लाख घरों में रूफटॉप संयंत्र लगाए जाने की प्रक्रिया चल रही है और अब तक लगभग 25 हजार घरों पर संयंत्र लगाए जा चुके हैं। सभी राजकीय भवनों को सोलर एनर्जी से लैस करने का कार्य शुरू कर अब तक 489 मेगावाट के एलओए हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल पर जारी किए जा चुके हैं। इन लक्ष्यों की प्राप्ति से न केवल राज्य में निवेश बढ़ेगा बल्कि इससे नवीन रोजगार एवं व्यवसाय में भी बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और केन्द्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हाइब्रिड ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के लिए 2000 मेगावाट के नवीन सोलर पार्क की स्वीकृति से राज्य में सौर परियोजनाओं को गति मिलेगी।

न्यूनतम तापमान बढ़ने से थोड़ी राहत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में न्यूनतम तापमान बढ़ने से लोगों को सर्दी से थोड़ी राहत मिली है। मौसम विभाग ने राज्य के कई हिस्सों में आज और कल बारिश होने का अनुमान जताया है। विभाग के अनुसार, मंगलवार को सुबह तक बीते चौबीस घंटे में राज्य में मौसम आमतौर पर शुष्क रहा। इस दौरान न्यूनतम तापमान फतेहपुर में 5.2 डिग्री, लूणकरणसर में 6.6 डिग्री, चूरू में 7.3 डिग्री, संगरिया में 7.4 डिग्री, पिलानी में 7.8 डिग्री, बीकानेर में 8.5 डिग्री, सीकर में न्यूनतम तापमान 9.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते कुछ दिनों की तुलना में न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी से लोगों को सर्दी से थोड़ी राहत मिली है। राजधानी जयपुर में न्यूनतम तापमान 13.7 डिग्री रहा और मंगलवार को अच्छी धूप खिली रही। विभाग के अनुसार, 21-22 जनवरी को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से राज्य के उत्तर पश्चिमी व उत्तर पूर्वी भागों में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। इसी तरह 22 जनवरी के बाद जयपुर, भरतपुर, बीकानेर संभाग में कहीं-कहीं घना कोहरा छाने की संभावना है।

एंबुलेंस का दरवाजा जाम होने से मरीज की मौत का आरोप

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा में एक एंबुलेंस का दरवाजा कथित तौर पर जाम होने से उसमें मौजूद महिला मरीज को समय पर बाहर नहीं निकाला जा सका और उसकी मौत हो गई। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि मामले की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित की गई है। इसके अनुसार, सुलेखा (45) नामक महिला ने रविवार को अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया था जिसके बाद उसे जिला अस्पताल ले जाया गया। लेकिन वहां एंबुलेंस का दरवाजा कथित तौर पर जाम हो गयाा उसे एंबुलेंस का शीशा तोड़कर बाहर निकाला गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला के परिजनों ने आरोप लगाया कि दरवाजा जाम होने के कारण कीमती समय बर्बाद हुआ, क्योंकि वह 15 मिनट तक एंबुलेंस के अंदर ही फंसी रही।

जिला कलेक्टर नमित मेहता ने मामले की जांच सहायक कलेक्टर अरुण जैन को सौंपी है। भीलवाड़ा के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सी पी गोस्वामी ने भी मामले की जांच के लिए एक समिति गठित की है। उन्होंने कहा, मामले की जांच करने और जल्द से जल्द रिपोर्ट देने के लिए चार सदस्यों की समिति गठित की गई है।

तो क्या खाली ही है ईआरसीपी का मटका? : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को अविलंब पीकेसी-ईआरसीपी समझौते को सार्वजनिक करने की मांग करते हुए कहा है कि यह बेहद आश्चर्यजनक है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मटकों में पानी उड़ेलकर पीकेसी-ईआरसीपी योजना का शिलान्यास तक कर दिया परन्तु राजस्थान की भाजपा सरकार ने मध्यप्रदेश सरकार के साथ इस योजना को लेकर ऐसा क्या समझौता किया है जिसे जनता के सामने सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है।

गहलोत ने मंगलवार को अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि कहा तो क्या खाली ही है ईआरसीपी का मटका। उन्होंने कहा कि इस समझौते की जानकारी लेने के लिए लगाई गई आरटीआई को राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा बताकर खारिज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि अभी तक तो पीकेसी-ईआरसीपी के नए समझौते को केवल राजस्थान की जनता के हितों के साथ ही समझौता माना जा रहा था परन्तु अब यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा सरकार द्वारा बताया गया है। भाजपा सरकार की ऐसी गतिविधियों से स्पष्ट होता जा रहा है कि पीकेसी-ईआरसीपी के समझौते को येन-केन-प्रकरेण छिपाया जा रहा है या इसमें कोई धांधली की जा रही है।

उन्होंने कहा मेरा अनुमान है कि यह पानी को लेकर पहला ऐसा समझौता होगा जिसकी जानकारी जनता से छिपायी जा रही है। अगर जानकारी छिपानी ही थी तो प्रधानमंत्री जी से शिलान्यास करवाकर भ्रम की स्थिति क्यों पैदा की।

उन्होंने कहा कि ईआरसीपी जनता के पैसे से बनने वाला प्रोजेक्ट है और प्रदेश की जनता यह जानने का पूरा अधिकार है कि उनका पैसा कैसे खर्च किया जा रहा है एवं उन्हें अपने हक का पूरा पानी मिल रहा है या नहीं। राजस्थान हो या कोई अन्य राज्य हो, सभी के लिए पानी सबसे महत्वपूर्ण विषय है। भाजपा सरकार को अविलंब पीकेसी-ईआरसीपी समझौता सार्वजनिक करना चाहिए

पार्श्वनाथ तीर्थंकर का महामस्तकाभिषेक जीवन का आलोक देने वाला : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने मंगलवार को कर्नाटक के वरूर में स्थापित भगवान पार्श्वनाथ की अखंड प्रतिमा के महामस्तकाभिषेक समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने देश में तीर्थंकरों की महान परम्परा का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्श्वनाथ तीर्थंकर का महामस्तकाभिषेक हमें सत्य और जीवन से जुड़े नैतिक मूल्यों पर चलने की प्रेरणा देने वाला है। उन्होंने कहा कि तीर्थंकरों ने त्याग और अपरिग्रह के सिद्धान्तों के आदर्श स्थापित कर जीवन के उदात्त मूल्यों का प्रसार किया है।

बागड़े ने भारतीय संविधान की मूल प्रति में ध्यानस्थ मुद्रा में बैठे हुए वर्धमान महावीर के चित्रांकन की चर्चा करते हुए कहा कि जैन धर्म 'जिन' शब्द से जुड़ा है। इसका अर्थ है, 'विजेता'। जिन्होंने इच्छाओं एवं मन पर विजय प्राप्त कर ली है, वह महावीर है। उन्होंने वेरूर में भगवान पार्श्वनाथ की अखंड प्रतिमा का अभिषेक किया और वहां स्थापित नवग्रह तीर्थ में तीर्थंकरों की प्रतिमाओं का भी दर्शन किया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के वरूर में आचार्य गुणधरनंदी महाराज जी की दूरदर्शिता और समर्पण से स्थापित पार्श्वनाथ की अखंड प्रतिमा और नवग्रह तीर्थंकर का यह धाम अलौकिक है। उन्होंने आचार्य गुणधरनंदी को दिगंबर जैन परंपरा में अत्यंत सम्मानित आध्यात्मिक गुरु बताते हुए कहा कि वह आध्यात्मिक राह से जीवन के उत्कर्ष के लिए प्रेरणा देने वाले हैं।

राज्यपाल ने अखंड भारतीय संस्कृति और शिक्षा के महत्व पर अपनी बात रखते हुए कहा कि सिकन्दर जब भारत आया तो विश्व विजेता का स्वप्न लिए था। परन्तु यहां उसने अपेक्षा रहित साधु संतों को देखकर कहा था कि भारत आंतरिक ओज से जुड़ा राष्ट्र है। उन्होंने कहा कि सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम शिक्षा ही है। यह व्यक्ति की मानसिक क्षमता को ही नहीं बढ़ाती बल्कि सही और गलत का भेद भी बताती है। शिक्षा व्यक्ति के सोचने, व्यवहार करने, दृष्टिकोण और जीवनशैली को भी पूरी तरह से बदल देती है। एक व्यक्ति को बदलना ही समाज को बदलना है। राज्यपाल के वरूर पहुंचने पर धर्मस्थल के धर्माधिकारी वीरेंद्र हेगड़े जी ने उनकी अगवानी कर स्वागत किया। बागड़े ने धर्मस्थल के प्रेरणा स्त्रोत गुणधरनंदी महाराज को नमन करते हुए उनका आशीर्वाद भी लिया।

निरक्षरों में ज्ञान के दीप जलाना मानवता की परम सेवा : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विद्यालयी शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि निरक्षरों में ज्ञान के दीप जलाना मानवता की परम सेवा है। उन्होंने कहा कि देश में बिना किसी शुल्क के निःस्वार्थ भाव से शिक्षा का प्रचार-प्रसार करने वाले शिक्षक समाज के असल प्रेरक है, जो प्रदेश के दूर-सुदूर क्षेत्रों में भी शिक्षा की अलख को जगाये रखते है। दिलावर मंगलवार को जयपुर स्थित इंदिरा गाँधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान में उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित उल्लास मेले को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पढ़ा-लिखा व्यक्ति अपने अधिकारों और दायित्वों के प्रति अधिक जागरूक और सजग होता है इसलिए वर्तमान समय में सभी को शिक्षित होने के प्रयास करने चाहिए।

शिक्षा मंत्री ने उपस्थित नवसाक्षरों को पुरस्कृत एवं उनसे संवाद किया तथा उन्हें निरंतर पढ़ते रहने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में डीडवाना-कुचामन की नवसाक्षर श्रीमती शांति देवी की पढ़ने लिखने की रूचि की सराहना की। उन्होंने शांति देवी से प्रेरणा लेकर सभी निरक्षर लोगों को शिक्षित होने का आह्वान किया। समारोह में जोधपुर की सुनीता देवी ने अपने पढाई के अनुभव साझा करते हुए बताया कि शादी के बाद ससुराल में पढना लिखना सीखा और आज वे अंगूठे की जगह हस्ताक्षर करती है। नरेगा में काम करने वाली सुनीता देवी अब पैसो के हिसाब किताब और प्लानिंग में भी पारंगत हो गयी है। सुनीता देवी की तरह लाखो लोग लर्नर्स सर्टिफाइड हुए हैं। इससे पूर्व मदन दिलावर ने राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद एवं जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, कोटा, सीकर, दौसा, जोधपुर,उदयपुर जिलों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उनके द्वारा लर्नर्स के शिक्षण हेतु विकसित सामग्री और प्रयासों की सराहना की।

उल्लेखनीय है कि उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम स्वयंसेवी शिक्षण पर आधारित है। इसमें एनसीसी/एनएसएस के विद्यार्थी, बी.एड के इंटर्नशिप छात्र, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सेवानिवृत कार्मिक, भूतपूर्व सैनिक आदि स्वयंसेवक बिना किसी मानदेय के 15 वर्ष व उससे अधिक आयु के निरक्षरों को पढ़ा रहे है। प्रदेश में अभी भी अनुमानित 80 लाख व्यक्ति निरक्षर है।

युवा हर क्षेत्र में आगे बढ़े, राज्य सरकार उन्हें उपलब्ध करवाएगी मंच : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश की आबादी का एक बड़ा हिस्सा युवाओं का है। युवा प्रदेश की आर्थिक समृद्धि के इंजन है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को उनके सपनों को पूरा करने के लिए पर्याप्त अवसर दे रही है जिससे वे देश एवं प्रदेश की प्रगति में भी अपना अहम योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि सरकार युवा एवं खेल प्रतिनिधियों के सभी सुझावों पर विचार कर उन्हें बजट में यथासंभव शामिल करेगी ताकि आपणो अग्रणी राजस्थान का सपना साकार किया जा सके।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में युवा और खेल क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व चर्चा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा अपार ऊर्जा, नवाचार और सृजनशीलता के स्रोत हैं। स्वामी विवेकानंद जी का कहना था कि 21वीं सदी भारत की है तथा युवा पीढ़ी में हर समस्या का समाधान करने का सामर्थ्य है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि युवा हर क्षेत्र में आगे बढ़े तथा हम उन्हें हर संभव मंच उपलब्ध करवाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के खेल परिदृश्य में अभूतपूर्व बदलाव आया है। खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसे मूवमेंट से देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि भारतीय ओलंपिक संघ ने 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी को लेटर ऑफ इंटेंट भी भेजा है। भारत के खिलाड़ी अब विश्व भर में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं तथा आज भारत एक खेल शक्ति बनकर उभर रहा है।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान खेलों के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है तथा हमारी प्राथमिकता है कि प्रदेश खेलों में अग्रणी राज्य बने। उन्होंने कहा कि नई खेल नीति, खेलो राजस्थान यूथ गेम्स का आयोजन, राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम, मिशन ओलंपिक 2028, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फोर स्पोर्ट्स जैसे निर्णयों से प्रदेश में खिलाड़ियों को तैयारियों के लिए समुचित अवसर मिल रहे है। उन्होंने कहा कि राज्य के हर जिले में खेल से संबंधित सुविधाओं का विकास करने के लिए एक जिला-एक खेल, की योजना शुरू की गई हैं जिससे जिले में अन्य खेलों के साथ एक विशेष खेल को भी बढ़ावा मिलेगा।

भाजपा सरकार पीकेसी-ईआरसीपी समझौते को सार्वजनिक करने से क्यों घबरा रही है ? : डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा है कि प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पीकेसी- ईआरसीपी परियोजना की जानकारी देने एवं समझौते को सार्वजनिक करने से क्यों घबरा रही है। डोटासरा ने मंगलवार को अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने कहा कि राजस्थान की जनता पीकेसी-ईआरसीपी परियोजना की कुल लागत, राज्य की हिस्सेदारी, कार्य की समय सीमा एवं क्रियान्वयन का विवरण जानना चाहती है लेकिन भाजपा सरकार इसे 'राष्ट्रीय सुरक्षा' से जोड़कर जानकारी देने से बच रही है। उन्होंने कहा कि ईआरसीपी के समझौते का सच बताने में 'राष्ट्रीय सुरक्षा का ख़तरा' एवं 'आर्थिक हितों का जोखिम' कैसे हो सकता है।

सच यह है कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने पीकेसी-ईआरसीपी के समझौते में मध्यप्रदेश के सामने समर्पण करके राजस्थान के हितों के साथ खिलवाड़ किया है। लोकसभा चुनाव में राजस्थान की जनता का वोट हासिल करने के लिए समझौते का स्वांग रचा गया, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्वयंभू 'भागीरथ' बनकर आभार सभाएं की और जल संकट ख़त्म करने का झूठ बोलकर जनता को धोखा दिया। डोटासरा ने कहा कि सरकार कब तक समझोते की सच्चाई छिपाएगी। राजस्थान को भ्रमित करने वाले स्वयंभू 'भागीरथ' को जनता के सामने जवाब देना पड़ेगा।

नो एंट्री में जाने से रोका तो चालक ने ट्रक को हैड कांस्टेबल पर चढ़ा दिया

जयपुर। राजस्थान में दौसा जिले के लालसोट शहर में आज नो एंट्री में जाने से रोकने पर एक ट्रक चालक ने पुलिस हेड कांस्टेबल पर ट्रक चढ़ा दी, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लालसोट दिनेश अग्रवाल ने बताया कि मंगलवार सुबह ट्रैफिक पुलिस हेड कांस्टेबल प्रसादी लाल बैरवा ड्यूटी पर आया था। करीब पौने 11 बजे एक ट्रक चालक ट्रक को नो एंट्री में प्रवेश करने का प्रयास कर रहा था। बैरवा ने उसे नो एंट्री में प्रवेश करने से रोका तो गुस्साये ट्रक चालक ने कांस्टेबल के ऊपर ट्रक चढ़ा दी, जिससे हेड कांस्टेबल की मौके पर ही मौत हो गयी। ट्रक चालक ट्रक को लेकर फरार हो गया। पुलिस ने पीछा किया तो कुछ दूरी पर ट्रक को सड़क किनारे खड़ा करके फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। ट्रक चालक को पकड़ने के लिये पुलिस ने टीमें लगाई हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति युवाओं को सशक्त भारत के निर्माण के लिए तैयार करेगी : मोहन चरण माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 छात्रों और युवाओं को आधुनिक तथा सशक्त भारत के निर्माण के लिए तैयार करने में मदद करेगी।

माझी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के निर्माण के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि यह नीति मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार करने और प्राथमिक स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने में मदद करेगी। माझी ने कहा कि एनईपी अगले शैक्षणिक वर्ष से ओडिशा में लागू की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, शिक्षा प्रदान करने में प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ाया जाएगा। प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा प्रदान करना हमारी शैक्षणिक प्रणाली का अभिन्न अंग बन जाएगा।

इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने में ओडिशा पूरे देश के लिए एक आदर्श बनने जा रहा है। प्रधान ने कहा कि केंद्र और ओडिशा सरकार दोनों इस दिशा में मिलकर काम कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने के बाद एनईपी को अक्षरशः लागू करने के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं।

मेघालय में मध्यम तीव्रता का भूकंप

शिलांग/भाषा। दक्षिणी मेघालय में मंगलवार को मध्यम तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भूकंप में जान-माल के किसी प्रकार के नुकसान की खबर नहीं है। क्षेत्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अपराह्न करीब 12:30 बजे दक्षिण पश्चिम खासी हिल्स जिले में 4.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिसका केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था। उन्होंने बताया कि भूकंप के झटके पूरे राज्य में महसूस किए गए। मेघालय उच्च जोखिम वाले भूकंपीय क्षेत्र पांच में स्थित है।

ट्रंप के पद पर रहने के दौरान कभी नीरस पल नहीं आएगा : थरूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शुरुआती बयानों से पता चलता है कि उनके पद पर रहने के दौरान कभी भी कोई नीरस क्षण नहीं आएगा। उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में भारत और अमेरिका के बीच संबंध अच्छे रहेंगे।

ट्रंप ने सोमवार को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। उन्होंने कई शासकीय आदेश जारी किए और कहा कि अमेरिका का ''स्वर्ण युग'' अभी से शुरू होता है।

पूर्व विदेश राज्य मंत्री थरूर ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, जहां तक भारत का सवाल है, मुझे लगता है कि संबंध मूलत: अच्छी स्थिति में हैं। उनके पहले प्रशासन के दौरान दोनों देशों के बीच बहुत अच्छे संबंध थे, जिनमें एक या दो नकारात्मक बातें मुख्य रूप से व्यापार से संबंधित थीं। उन्होंने कहा, ऐसी अफवाह पहले से ही है कि वह संभवतः अप्रैल की शुरुआत में भारत यात्रा पर आ सकते हैं। अगर ऐसा होता है, तो यह स्पष्ट रूप से एक बहुत ही सकारात्मक संकेत होगा।

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठन के चार सदस्य गिरफ्तार

इंफाल/भाषा। मणिपुर के तेंग्नौपाल जिले में भारत-म्यांमा सीमा से प्रतिबंधित संगठन 'सोशलिस्ट रिवोल्यूशन पार्टी ऑफ कांगलीपाक' के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सोमवार को मोरेह पुलिस थाना क्षेत्र की पंगल बस्ती में सीमा स्तंभ संख्या-79 से इन चारों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने कहा, उनके पास से तीन सिम कार्ड तथा एक स्मार्टफोन बरामद किया गया है और आगे की जांच के लिए मामला दर्ज कर लिया है। प्रतिबंधित संगठन के गिरफ्तार सदस्यों की पहचान लीशांगथेम सोमोरजीत सिंह (34), पेबाम मालेमंगंबा सिंह (18), लैशराम नेल्सन सिंह (22) और निंगथौजम मिलन मेइती (25) के रूप में हुई है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि कांगपोकपी और चुराचांदपुर जिलों में अलग-अलग तलाश अभियानों के दौरान आठ आग्नेयास्त्र भी बरामद किए गए।

गलतफहमी को चर्चा से दूर किया जाना चाहिए : मणिपुर मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने मंगलवार को कहा कि हर गलतफहमी को मिल बैठकर चर्चा से दूर किया जाना चाहिए और राज्य की सभी मान्यता प्राप्त जनजातियों को एक साथ रहना चाहिए। उन्होंने 53वें राज्य स्थापना दिवस समारोह में कहा, अब हम अप्रासंगिक मामलों पर उलझना या बोलना बंद करें और मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिशों को रोकें। मणिपुर को 21 जनवरी 1976 को पूर्ण राज्य का दर्जा हासिल हुआ था।

मुख्यमंत्री ने कहा, हर गलतफहमी को मिल-बैठकर चर्चा से सुलझाया जाना चाहिए। आइए अप्रासंगिक मामलों पर उलझना या बोलना बंद करें और मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिशों को रोकें। हमने (राज्य सरकार) जो कहा था वह अवैध प्रवासियों की उचित पहचान करने और उन्हें बाहर भेजने के बारे में था। हमने राज्य के किसी भी पुराने निवासी के खिलाफ कभी कुछ भी नहीं कहा। सभी मान्यता प्राप्त जनजातियों को एक साथ रहने की जरूरत है।

सिंह ने कहा, भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पूर्ण रूप से अक्षुण्ण राज्य सौंपने के लिए काम कर रही है।

मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए सिंह ने कहा, मैं मणिपुर के राज्य दिवस पर बधाई देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को धन्यवाद देता हूं। मैं राज्य के लोगों को भी अपनी शुभकामनाएं देता हूं। आइए आज से हम शांति और समृद्धि लाएं।

संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों पर कोई भी हमला संविधान पर हमला है : राज्यपाल खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने मंगलवार को कहा कि संवैधानिक पदों पर बैठे अधिकारियों को अपने आचरण में मर्यादा और गरिमा के उच्च मानकों का पालन करना चाहिए, क्योंकि उन पर कोई भी हमला संविधान एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला है।

राज्यपाल ने यहां आयोजित 85वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन (एआईपीओसी) के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा, संवैधानिक पदों पर बैठे अधिकारियों को अपने आचरण में मर्यादा और गरिमा के उच्च मानकों का पालन करना चाहिए...उन्हें समझना चाहिए कि उन पर कोई भी हमला संविधान एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला है। उन्होंने बिहार के सिलसिले में कहा कि यह राज्य अपने दूरदर्शी दृष्टिकोण और सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है...इन बुनियादी सिद्धांतों को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा, बिहार दुनिया के पहले लोकतंत्र की धरती रही है। दुनिया का पहला गणतंत्र वैशाली (बिहार) में है। यह बुद्ध, महावीर और महात्मा गांधी की धरती है...और यह सर्वविदित तथ्य है कि संविधान निर्माण में बिहार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संविधान निर्माण में बिहार की महत्वपूर्ण विभूतियों-- सच्चिदानंद सिन्हा, राजेंद्र प्रसाद, अनुग्रह नारायण सिन्हा, कृष्ण सिन्हा एवं अन्य लोगों ने अपना अमूल्य योगदान दिया। उन्होंने कहा कि संविधान सर्वोच्च कानूनी प्राधिकार है जो विधायिका, कार्यपालिका और सरकार के अन्य अंगों को जोड़ता है...अधिकारियों को संविधान का अक्षरशः पालन करना चाहिए।

सीमा की सुरक्षा करना बीएसएफ की जिम्मेदारी : ममता बनर्जी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा करना सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की जिम्मेदारी है और उन्होंने मालदा जिले के लोगों से आग्रह किया कि अगर कोई समस्या है तो वे सीमावर्ती इलाकों में जाने से बचें। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी 18 जनवरी को मालदा जिले में बीएसएफ चौकी के पास भारत-बांग्लादेश सीमा पर तनाव बढ़ने के बाद आई है। दोनों देशों के किसानों के बीच विवाद झड़प में तब्दील हो गया था। बनर्जी ने मालदा जिले में एक बैठक को संबोधित करते हुए स्थानीय लोगों से आग्रह किया कि अगर कोई समस्या है तो वे सीमावर्ती क्षेत्रों में न जाएं। बंगाल का मालदा जिला बांग्लादेश के साथ सीमा साझा करता है। उन्होंने कहा, सीमा की सुरक्षा करना बीएसएफ का कर्तव्य है। मैं लोगों से आग्रह करती हूं कि अगर उन्हें कोई समस्या दिखे तो वे सीमावर्ती क्षेत्रों में न जाएं।

वैश्विक बाजार में प्रसंस्कृत भारतीय खाद्य पदार्थों के लिए अपार संभावनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावोस/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भारतीय खाद्य उत्पादों को वैश्विक स्तर पर ले जाने की वकालत करते हुए कहा कि भारतीय प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय बाजारों में वृद्धि की अपार संभावनाएं हैं।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक के लिए यहां पहुंचे पासवान ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उन्हें आवंटित खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय एक बड़ी जिम्मेदारी लेकर आया है।

पासवान ने सोमवार शाम दावोस पहुंचने के बाद कहा, हमारा मकसद किसानों की अधिक मदद करना और साथ ही देश के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को और मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग हमारे किसानों की आर्थिक प्रगति सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए पासवान ने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान होगा।

मंत्री ने कहा, हमारे किसानों को पहले फसल कटाई के बाद कई समस्याओं का सामना करना पड़ता था, लेकिन पिछले 10 वर्षों में हमने इसके लिए कई नए कार्यक्रम देखे हैं। इनसे न केवल किसानों को फसल कटाई के बाद मदद मिली है, बल्कि इन्होंने क्षेत्र में बड़ी संख्या में उद्यमियों को तैयार करने में भी योगदान दिया। उन्होंने कहा, मैं ग्रामीण क्षेत्र की बात कर रहा हूं, सिर्फ बड़े या मझोले श्रेणी के शहरों की नहीं। मेरा मानना है कि हमारे खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकास की अपार संभावनाएं हैं।

विश्व आर्थिक मंच की पांच दिवसीय वार्षिक बैठक 24 जनवरी को संपन्न होगी। इस दौरान पासवान यहां कई द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। उन्होंने साथ ही कहा कि भारतीय व्यंजनों को विश्व स्तर पर किस तरह पसंद किया जाता है, यह सभी जानते हैं।

महिला में एचएमपीवी से संक्रमण की पुष्टि हुई

गुवाहाटी/भाषा। गुवाहाटी में एक निजी अस्पताल में उपचार करा रही 75 वर्षीय महिला में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) से संक्रमण की पुष्टि हुई है। अस्पताल के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह इस मौसम में असम में वायरस से संक्रमण का दूसरा मामला है। उन्होंने कहा कि मरीज को 'पृथक-वास' में रखा गया है और उसकी हालत स्थिर है। हालांकि, राज्य सरकार की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। अस्पताल के एक अधिकारी ने कहा, महिला को कुछ दिन पहले हमारे अस्पताल में भर्ती कराया गया था और नियमित जांच के दौरान एचएमपीवी से संक्रमण की पुष्टि हुई।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने रामायण पर टिप्पणी को लेकर केजरीवाल की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने रामायण पर टिप्पणी को लेकर मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल की आलोचना करते हुए कहा कि लोगों का अपमान करना और झूठ बोलना उनकी आदत बन गई है।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री सिंह ने यहां 'पीटीआई-वीडियो' से बात करते हुए केजरीवाल को 'राजनीतिक हिंदू' भी करार दिया और कहा कि वह राक्षसों से भी ज्यादा भेष बदलते हैं। सिंह ने कहा, लोगों को अपमानित करना, झूठ बोलना और रंग बदलना अरविंद केजरीवाल की आदत बन गई है। वह राक्षसों से भी ज्यादा भेष बदलते हैं। पहले उन्होंने छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश के लोगों को गाली दी। उसके बाद अब वह राजनीतिक हिंदू, चुनावी हिंदू बनकर आए हैं। उन्होंने कहा, ''इसके पहले चुनाव में उन्होंने मुसलमानों की मस्जिदों को लाख-लाख रुपए प्रतिमाह देने का काम किया। अब वह हमारे हिंदू धर्म को गाली दे रहे हैं। अब वह राम के चरित्र को गाली दे रहे हैं। वह माता सीता के चरित्र को अपमानित कर रहे हैं। उनमें अगर हिम्मत है तो मोहम्मद साहब के चरित्र को अपमानित करके देखें, सर तन से जुदा हो जाएगा। केजरीवाल तो गिरगिट से भी ज्यादा रंग बदलते हैं और रावण से भी ज्यादा भेष बदलते हैं।

केजरीवाल ने सोमवार को दिल्ली में एक चुनावी सभा में रामायण का हवाला देते हुए कहा कि जब भगवान राम भोजन की तलाश में निकले थे, तब रावण ने सोने के हिरण का भेष धारण किया था तथा माता सीता का अपहरण किया था।

भाजपा नेताओं ने इस पर आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि केजरीवाल ने रामायण की कहानी को गलत तरीके से उद्धृत किया है। भाजपा ने कहा है कि जब रावण ने माता सीता का अपहरण किया था तब महाकाव्य का एक अन्य पात्र 'मामा मारीच' था, जिसने सोने के हिरण के रूप में भगवान राम का ध्यान भटकाया था।

मणिपुर के गौरव और सम्मान को बनाये रखें : मुख्यमंत्री सिंह

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह ने मंगलवार को लोगों से राज्य के स्थापना दिवस के अवसर पर मणिपुर के गौरव और सम्मान को बनाए रखने के लिए एकजुट होकर काम करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। 21 जनवरी 1976 को मणिपुर को पूर्ण राज्य का दर्जा हासिल हुआ था। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा ''1972 में मणिपुर ने आज ही के दिन भारतीय संघ में पूर्ण राज्य का दर्जा हासिल किया जो हमारे इतिहास में मील का पत्थर साबित हुआ। हम सब मिलकर इस ऐतिहासिक दिन के अवसर पर अपने इस खूबसूरत राज्य के गौरव और सम्मान को बनाए रखने के लिए सामूहिक रूप से काम करने का संकल्प लेते हैं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब पूर्वोत्तर राज्य पिछले काफी समय से जातीय हिंसा झेल रहा है। मई 2023 से ही पूर्वोत्तर राज्य में जारी जातीय हिंसा में अबतक 250 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हुए हैं। मणिपुर स्थापना दिवस के अवसर पर सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दी गई शुभकामनाओं के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

भाजपा की नीतियों में दिखाई देती है अंबेडकर की विचारधारा की झलक : अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ सांसद अनुराग ठाकुर ने दावा किया कि पार्टी की नीतियां डॉ बीआर अंबेडकर की विचारधाराओं को प्रतिबिंबित करती हैं और नरेन्द्र मोदी सरकार संविधान निर्माता के सिद्धांतों के आधार पर राष्ट्र निर्माण कर रही है।

विपक्षी दल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए ठाकुर ने कहा कि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार डॉ. अंबेडकर की विचारधारा से प्रभावित होकर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने सोमवार को कहा, यूसीसी सभी समुदायों के लिए समानता सुनिश्चित करती है। यूसीसी विवाह, तलाक, गोद लेने और उत्तराधिकार के नियमों पर धर्म-केन्द्रित कानूनों को समाप्त करेगी और सभी को समान कानून प्रदान करेगी।

भाजपा नेता ने यह बात भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूरे होने और अंबेडकर के सम्मान में पार्टी के दो सप्ताह के कार्यक्रम 'संविधान गौरव अभियान' में भाग लेते हुए कही।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने ''राजनीतिक लाभ'' के लिए संविधान में कई बार संशोधन किया, जबकि भाजपा और गैर-कांग्रेसी दलों ने ऐसा कम ही किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने संविधान में 75 बार संशोधन किया है, जबकि अन्य सरकारों ने 31 बार इसी तरह के कदम उठाए।

उन्होंने पंडित जवाहर लाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी सहित पूरी कांग्रेस पार्टी पर जीवन भर आदिवासियों, दलितों और अन्य पिछड़ी जातियों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ने वाले डॉ. अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने राहुल गांधी पर संविधान के नाम पर लोगों को गुमराह करने का भी आरोप लगाया।

टेनिस को बचाना है तो आमूलचूल बदलाव करने होंगे : मनीषा मल्होत्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयनगर/भाषा। पूर्व ओलंपियन और एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता पूर्व टेनिस खिलाड़ी मनीषा मल्होत्रा ने भारत में टेनिस की मौजूदा स्थिति के लिए इसके प्रशासकों को दोषी ठहराते हुए कहा कि अगर देश में इस खेल को बचाना है तो आमूलचूल बदलाव करने होंगे।

पुरुष एकल में सुमित नागल 91वें स्थान के साथ भारत के शीर्ष खिलाड़ी हैं लेकिन उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। रोहन बोपन्ना पुरुष युगल में 16वें स्थान के साथ भारत के शीर्ष खिलाड़ी हैं लेकिन 44 बरस की उम्र में वह अपने करियर के अंतिम चरण में हैं।

महिला एकल में भारत की कोई खिलाड़ी शीर्ष 200 में भी शामिल नहीं है जबकि महिला युगल में भी देश की कोई खिलाड़ी शीर्ष 100 का हिस्सा नहीं है।

महेश भूपति के साथ मिलकर 2002 बुसान एशियाई खेलों में मिश्रित युगल का स्वर्ण पदक जीतने वाली मनीषा ने देश में टेनिस के गिरते स्तर के लिए खेल का संचालन करने वाले अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया।

इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट की अध्यक्ष मनीषा ने 'भाषा' से विशेष बातचीत के दौरान कहा, वर्तमान में टेनिस की कहानी काफी दुखद है। मैं सोचने लगती हूं कि टेनिस इतना अच्छा खेल था जहां हमारे पास इस खेल की इतनी

अच्छी विरासत थी। रामानाथन कृष्णन के समय से ही ऐसा था जिसे हमने पूरी तरह से खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा, आज की तारीख में अगर कोई प्रगति नहीं है, कोई खिलाड़ी नहीं है तो यह हमारी ही गलती है। मुझे यह देखकर काफी दुख होता है क्योंकि मैं आज जो भी हूं टेनिस की वजह से हूं। मेरे जीवन में जो कुछ भी है, वह टेनिस की वजह से है। मैं इस बारे में कुछ कर नहीं पा रही हूं जो बैठे हैं (अधिकारी) वे कर भी नहीं रहे और जो कर रहे हैं वह खराब कर रहे हैं।

इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा, बहुत से टेनिस खिलाड़ी मेरे साथ हैं जो यह सोच रहे हैं कि हम बहुत खराब स्थिति में पहुंच चुके हैं और अगर हमें टेनिस को बचाना है तो आमूलचूल बदलाव करने होंगे।

मनीषा ने कहा कि टेनिस साथ पिछले कुछ समय में बड़ी समस्या यह रही कि जिन लोगों ने इसका संचालन किया उनके पास कोई योजना और रणनीति ही नहीं थी।

सिडनी ओलंपिक 2000 में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली मनीषा ने कहा, टेनिस की समस्या यह है कि हमारे पास संचालन को लेकर कोई योजना नहीं थी। जो महासंघ चला रहे थे, उन्होंने कोई ढांचा और व्यवस्था नहीं बनाई। उन्होंने कहा, हमारे पास कोई जूनियर विकास कार्यक्रम नहीं था और ना ही शिक्षण कार्यक्रम था। जो भी टेनिस खिलाड़ी पैदा हुए हैं या जिन्होंने भी कुछ हासिल किया है, अपने दम पर किया है। उनके अपने क्लब है, अपने माता-पिता से मदद ली। कोई ढांचागत प्रणाली नहीं थी।

मनीषा ने कहा, जो भी लोग महासंघ का हिस्सा थे उन्होंने कभी इस पर ध्यान नहीं दिया कि टेनिस के विकास में कैसे सुधार करें। अभी हम जिस स्थिति में पहुंचे है वह बेहद निराशाजनक स्थिति है। आप किसी भी क्लब के कोर्ट में जाकर देख लो वहां कोई खेलने के लिए नहीं है।

गिल को उपकप्तान बनाना दूरदर्शी कदम : अश्विन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर रविचंद्र अश्विन ने चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए शुभमन गिल को उपकप्तान बनने के फैसले को 'दूरदर्शी कदम' करार देते हुए कहा कि शीर्ष क्रम के इस बल्लेबाज की टीम में जगह लगभग पक्की है और उन्हें भविष्य के कप्तान के तौर पर तैयार किया जा सकता है।

हाल ही में संपन्न ऑस्ट्रेलिया दौरे पर राष्ट्रीय टीम से संन्यास की घोषणा करने वाले अश्विन ने अपने 'यूट्यूब चैनल' पर रविवार को कहा, इस बारे में सोचें कि मौजूदा टीम में उप-कप्तान की भूमिका के लिए और किस पर विचार किया जा सकता है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि शुभमन गिल को उप-कप्तान बनाने का निर्णय सही है या गलत, लेकिन यह सही दिशा में उठाया गया कदम है, खासकर तब जब वह पिछली शृंखला में भी उपकप्तान थे। उन्होंने कहा, मैं गलत हो सकता हूं, लेकिन वह शायद टेस्ट क्रिकेट में उप-कप्तान रह चुके हैं। यह एक दूरदर्शी कदम होगा क्योंकि टीम प्रबंधन इस बात पर विचार कर रहा होगा कि भविष्य में नेतृत्व की भूमिका कौन निभा सकता है।

सुविचार

अलग-अलग व्यक्ति विभिन्न नामों से ईश्वर का नाम लेते हैं। कोई अल्लाह कहता है, कुछ लोग गॉड कहते हैं और कुछ कृष्ण, शिव और ब्रह्म कहते हैं। ये झील में भरे हुए पानी के समान है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आर्थिक असमानता दूर करें

निवेश योजनाओं, आर्थिक वृद्धि पर सीईओ के विश्वास के मामले में शीर्ष देशों में भारत के स्थान बनाने संबंधी पीडब्ल्यूसी का वैश्विक सर्वेक्षण उत्साहजनक है। भारत की अर्थव्यवस्था के साथ उभरता मध्यम वर्ग, क्रय क्षमता में बढ़ोतरी और डिजिटल लेनदेन जैसे कई बिंदु जुड़े हैं, जो विश्व का हम पर भरोसा मजबूत करते हैं। इसी का नतीजा है कि 10 में से 9 भारतीय सीईओ आर्थिक विकास के प्रति आश्वस्त हैं, क्योंकि वे कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने और एआई को जारी रखने की योजना बना रहे हैं। हमें इसके साथ आर्थिक असमानता के मुद्दे की ओर भी ध्यान देना होगा, क्योंकि समाज में अमीर और गरीब के बीच बढ़ती यह खाई कालांतर में कई गंभीर समस्याओं को जन्म देती है। अधिकार समूह 'ऑक्सफैम इंटरनेशनल' की वैश्विक असमानता पर जारी रिपोर्ट बताती है कि दुनियाभर में अरबपतियों की संपत्ति साल 2024 में 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़कर 15 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई है। यह साल 2023 की तुलना में तीन गुना ज्यादा है! भारत में सरकार की काफी कोशिशों के बावजूद कई इलाकों में बहुत गरीबी है। नि:शुल्क राशन मिलने से करोड़ों लोगों को फायदा जरूर हो रहा है, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है। गरीबी दूर करने के लिए सरकारी मदद एक हद तक कारगर साबित हो सकती है। अगर उसका इस्तेमाल कौशल विकास और रोजगार के अवसरों का सृजन करने के लिए नहीं किया गया तो वह भविष्य में ज्यादा फायदेमंद नहीं हो सकती, क्योंकि मदद बंद होते ही संबंधित परिवार के लिए फिर से 'पुरानी' समस्याएं खड़ी हो जाती हैं।

कोरोना महामारी ने लाखों परिवारों का बजट बिगाड़ दिया था। उससे किसी तरह निकले तो रहन-सहन, स्कूल फीस, इलाज जैसे खर्चे बढ़ गए। सरकार अपने कर्मचारियों को वेतनवृद्धि और विभिन्न भत्तों समेत कई सुविधाएं देती है। उनका क्या जो रोज कुआं खोदते हैं और उससे रोज पानी पीते हैं? जब ये परिवार देखते हैं कि एक ओर सेलिब्रिटी दुनिया घूम रहे हैं और हमारे पास सपरिवार रेस्टोरेंट में खाना खाने के लिए भी पैसे नहीं, एक ओर किसी उद्योगपति के घर में महीनों से शादी के कार्यक्रम हो रहे हैं और हमारे पास सर्दियों में अच्छा कोट खरीदने के लिए भी पैसे नहीं, लोग यूरोप जाकर महंगे पकवान उड़ा रहे हैं और हमारे पास रोजाना दूध खरीदने के लिए भी पैसे नहीं ...! यह स्थिति सामाजिक असंतोष को बढ़ावा देती है। सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री की भरमार है, जिसमें आम लोग अपनी पीड़ा जाहिर करते हैं कि तमाम कोशिशों के बावजूद उनके लिए हालात मुश्किल ही हैं। इस 'आक्रोश' को हवा देने, उसे भुनाने के लिए कुछ संगठन खड़े हो जाते हैं, जिनके कर्ताधर्ता आम लोगों को हक दिलाने के नाम पर सुनहरे सपने दिखाते हैं और जब दांव लगता है तो वे 'अपने सपने' पूरे करते हैं। पिछली सदी में पूंजीवाद के खिलाफ हुंकार से कई देशों की सरकारें उड़ गई थीं। हालांकि उसके बाद जो नई व्यवस्था बनी, वह भी पुराने ढर्रे पर चलने की आदी हो गई। हाल में कुछ उद्योगपतियों ने हफ्ते में काम के घंटों में बढ़ोतरी को लेकर जो बयान दिए, उससे कामकाजी वर्ग खासा नाखुश है। हो सकता है कि उन उद्योगपतियों की मंशा युवाओं को प्रेरणा देने की रही हो, लेकिन उनके बयानों ने कई तरह की आशंकाओं को जन्म दिया। जब मामला सोशल मीडिया पर तूल पकड़ने लगा तो उनकी ओर से जो 'सफाई' पेश की गई, उसमें भी स्पष्टता की कमी थी। याद रखें, देश हो या दुनिया, हर वर्ग की उन्नति जरूरी है। अगर एक वर्ग अथाह धन-संपत्ति का स्वामी बन जाए और दूसरा वर्ग बुनियादी जरूरतों के लिए तरसता रहे, तो यह स्थिति अर्थव्यवस्था के साथ ही न्याय के सिद्धांतों के भी विरुद्ध है।

हाल में कुछ उद्योगपतियों ने हफ्ते में काम के घंटों में बढ़ोतरी को लेकर जो बयान दिए, उससे कामकाजी वर्ग खासा नाखुश है। हो सकता है कि उन उद्योगपतियों की मंशा युवाओं को प्रेरणा देने की रही हो, लेकिन उनके बयानों ने कई तरह की आशंकाओं को जन्म दिया।

ट्वीटर टॉक

मुझे यह बताते हुए खुशी है कि भारत की संसद में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग कर 'भाषिणी' के माध्यम से हमने संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं में से 10 भाषाओं में त्वरित भाषांतरण शुरू कर दिया है।

-ओम बिरला

आज सचिवालय में पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक में राज्य के पर्यटन को बढ़ावा देने, बजट घोषणाओं के समय पर क्रियान्वयन एवं पर्यटन सेवाओं की गुणवत्ता और सुधार की दिशा में किए जा रहे नवाचारों पर चर्चा की गई।

-दीया कुमारी

महान क्रांतिकारी एवं आजाद हिन्द फौज के संगठनकर्ता रास बिहारी बोस जी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। मां भारती को परतंत्रता की बेड़ियों से मुक्त कराने में दिया गया आपका अमर योगदान सदैव भारतवासियों में देशप्रेम का संचार करता रहेगा!

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

स्वाभिमान और प्रतिकार

एक बार भरतपुर में स्वराज आंदोलन के साथ ही संपादक सम्मेलन भी आयोजित हो रहा था। वहां जाने-माने स्वतंत्रता सेनानी तथा पत्रकार पंडित माखनलाल चतुर्वेदी अंग्रेज सिपाहियों से डरे बिना मातृभूमि के बलिदान का काव्य पाठ जोर-शोर से कर रहे थे। इतना ही नहीं, वह ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ धधकती हुई वाणी में विचारों का सैलाब बहा रहे थे। जनता आंदोलित हो रही थी। फलस्वरूप उन्हें हिरासत में लेकर कारावास तक पहुंचा दिया गया था। मगर वे तनिक भी घबराए नहीं। अपने समाचारपत्र प्रभा, प्रताप और कर्मवीर में वह सरकार का विरोध करते रहे। उनका कहना था कि खुद में थोड़ा स्वाभिमान होना ज़रूरी है, वरना लोग तुम्हें वहां भी दबाने की कोशिश करेंगे, जहां अधिकार तुम्हारा है।

सामयिक

कैसे वाजिब है 70-90 घंटे काम करना?

डॉ सत्यवान सौरभ

मोबाइल :9466526148

लंबे कार्य घंटों का महिमामंडन नहीं किया जाना चाहिए; इसके बजाय, टिकाऊ और कुशल कार्य अनुसूचियों पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए जो उत्पादकता और कर्मचारी कल्याण दोनों को बढ़ावा दें। संतुलित और प्रेरित कार्यबल बनाने के लिए समान वेतन संरचना और वास्तविक समावेशिता आवश्यक है। प्रणालीगत असमानताओं को पहचानना और उनका समाधान करना एक निष्पक्ष कार्य वातावरण को बढ़ावा दे सकता है। एक संपन्न कार्यबल व्यक्तिगत कल्याण और पारिवारिक जीवन के महत्त्व को स्वीकार करता है, तथा इन मूल्यों को कार्यस्थल संस्कृति में एकीकृत करता है। इसका लक्ष्य एक ऐसे समाज का निर्माण करना है जहाँ पुरुष और महिलाएँ स्वास्थ्य, परिवार या व्यक्तिगत समय से समझौता किए बिना व्यावसायिक सफलता प्राप्त करें, तथा एक समतापूर्ण और समृद्ध भविष्य के लिए सभी श्रमिकों की पूरी क्षमता का उपयोग करें।

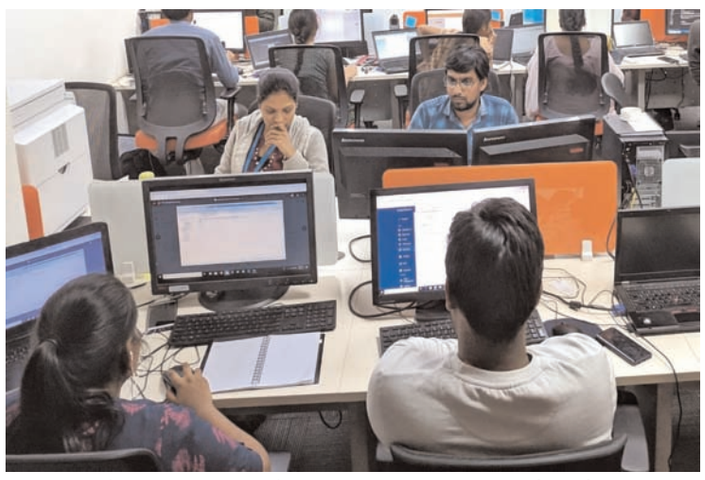

लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के चेयरमैन एसएन सुब्रह्मण्यन ने हाल ही में सुझाव दिया था कि प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए कर्मचारियों को रविवार सहित प्रति सप्ताह 90 घंटे तक काम करना चाहिए। लालची नौकरियाँ उन भूमिकाओं को संदर्भित करती हैं जो समय, ऊर्जा और प्रतिबद्धता के अनुपातहीन रूप से उच्च स्तर की माँग करती हैं, अक्सर उत्पादकता या परिणामों के बजाय लंबे समय तक काम करने वाले कर्मचारियों को पुरस्कृत करती हैं। लालची नौकरियों का लिंग समानता और कार्य-जीवन संतुलन पर प्रभाव के साथ करियर विकास पर प्रभाव पड़ता है। महिलाएँ मुख्य रूप से घरेलू ज़िम्मेदारियाँ संभालती हैं, इसलिए वे लालची नौकरियों की माँग के अनुसार लंबे समय तक काम करने, देर रात तक मीटिंग करने और यात्रा करने में असमर्थ होती हैं। इसका परिणाम यह होता है कि नेतृत्व की भूमिकाएँ निभाने वाली महिलाओं की संख्या कम होती है, जिससे कार्यस्थल पर असमानताएँ बढ़ती हैं। महिला श्रम शक्ति भागीदारी में वृद्धि के बावजूद, कार्यबल में हर 10 पुरुषों के लिए केवल 4 महिलाएँ हैं। यह महिलाओं द्वारा असमान रूप से उठाए जाने वाले अवैतनिक घरेलू कार्यभार से जुड़ा है, जो उनकी आर्थिक स्वतंत्रता के लिए प्रणालीगत बाधाएँ पैदा करता है। लंबे समय तक काम करने वाले कर्मचारियों, पुरुषों और महिलाओं दोनों को ही आराम करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता है, जिससे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याएँ होती हैं। यह व्यक्तियों और संगठनों के लिए दीर्घकालिक रूप से टिकाऊ नहीं है। लालची नौकरियाँ परिवार के साथ बातचीत और देखभाल में भागीदारी को कम करती हैं, जिससे महिलाओं पर बोझ बढ़ता है। घरेलू कामों में पुरुषों का सीमित योगदान इस असंतुलन को बढ़ाता है।

नोबेल पुरस्कार विजेता क्लाउडिया गोल्डिन लालची नौकरियों की पहचान उन भूमिकाओं के रूप में करती हैं, जिनमें पर्याप्त वेतन मिलता है, लेकिन लंबे समय तक काम करना पड़ता है, व्यापक नेटवर्किंग, देर रात तक बैठकें करनी पड़ती हैं और लगातार यात्रा करनी पड़ती है। ये भूमिकाएँ अक्सर व्यक्तियों को व्यक्तिगत और पारिवारिक जिम्मेदारियों से अलग कर देती हैं, तथा अन्य सभी चीजों से ऊपर पेशेवर प्रतिबद्धताओं को प्राथमिकता देती हैं। दोनों काम करने वाले परिवारों के लिए चुनौतियाँ: जिन परिवारों में दो कामकाजी माता-पिता होते हैं, उनमें बच्चों के पालन-पोषण की मांग के कारण आमतौर पर केवल एक ही लालची नौकरी कर सकता है। दूसरे माता-पिता को द्वितीयक भूमिका में रखा जाता है, जिसे अक्सर मम्मी ट्रैक के रूप में संदर्भित किया जाता है, जहाँ वे घरेलू और बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारियों का प्रबंधन करते हैं, जैसे स्कूल की गतिविधियाँ, चिकित्सा आवश्यकताएँ और पाठ्येतर गतिविधियाँ।

जबकि मम्मी ट्रैक की भूमिका माता-पिता में से किसी एक द्वारा निभाई जा सकती है, सामाजिक मानदंड और अपेक्षाएँ अक्सर यह बोझ महिलाओं पर डालती हैं। परिणामस्वरूप, महिलाएँ अक्सर पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिए करियर में उन्नति और उच्च वेतन को छोड़ देती हैं। महिलाओं का कैरियर पथ प्रायः अवरुद्ध रहता है, जिससे नेतृत्वकारी भूमिकाएँ और कैरियर विकास के उनके अवसर सीमित हो जाते हैं। लालची नौकरियों और मम्मी ट्रैक के बीच का विभाजन वेतन अंतर को बढ़ाता है, यहाँ तक कि उच्च शिक्षित व्यक्तियों के बीच भी, क्योंकि पुरुष उच्च वेतन वाली, मांग वाली भूमिकाओं पर हावी हैं। यह गतिशीलता कार्यस्थल और समाज में प्रणालीगत लैंगिक असमानता को क़ायम रखती है।

परिणाम-आधारित प्रदर्शन मीट्रिक पेश करें जो कार्यालय में बिताए गए समय के बजाय परिणामों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे लंबे समय तक काम करने के घंटों का महिमामंडन कम होता है। साझा देखभाल जिम्मेदारियों को प्रोत्साहित करने के लिए पुरुषों और महिलाओं के लिए माता-पिता की छुट्टी तक समान पहुँच प्रदान करें। कैरियर विकास या मुआवजे के मामले में कर्मचारियों को दंडित किए बिना अंशकालिक या लचीली कार्य व्यवस्था को बढ़ावा दें। ऐसी नीतियों को लागू करें जो कार्यालय के घंटों के बाद काम से अलग होने के कर्मचारियों के अधिकार का सम्मान करती हैं, जिससे बेहतर कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा मिलता है। कर्मचारियों के पास आराम और व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं के लिए पर्याप्त समय सुनिश्चित करने के लिए साप्ताहिक कार्य घंटों (जैसे, 48 घंटे की सीमा) पर सख्त सीमाएँ लगाएँ।

प्रबंधकीय पुरस्कारों को संगठनात्मक उत्पादकता और निष्पक्षता से जोड़कर पारिश्रमिक में असमानताओं को कम करें, सभी कर्मचारियों के लिए समान वेतन सुनिश्चित करें। घरेलू बोझ को कम करने के लिए साइट पर चाइल्डकैअर सुविधाओं और देखभाल सेवाओं का समर्थन करें। कार्यस्थल की संस्कृति को बढ़ावा दें जो कल्याण को महत्त्व देती है और परिवार के अनुकूल प्रथाओं को प्राथमिकता देती है। उन रूढ़ियों को चुनौती देने के लिए नियमित प्रशिक्षण आयोजित करें जो केवल महिलाओं के साथ देखभाल को जोड़ती हैं और कर्मचारियों के बीच साझा घरेलू जिम्मेदारियों को बढ़ावा देती हैं। सरकारी नीतियों की वकालत करें जो कंपनियों को कर लाभ और प्रमाणन जैसे परिवार के अनुकूल और लिंग-समान प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। एक संतुलित समाज सभी श्रमिकों की पूरी क्षमता को अनलॉक करने और दीर्घकालिक समृद्धि सुनिश्चित करने की कुंजी है। लंबे कार्य घंटों का महिमामंडन नहीं किया जाना चाहिए; इसके बजाय, टिकाऊ और कुशल कार्य अनुसूचियों पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए जो उत्पादकता और कर्मचारी कल्याण दोनों को बढ़ावा दें। संतुलित और प्रेरित कार्यबल बनाने के लिए समान वेतन संरचना और वास्तविक समावेशिता आवश्यक है। प्रणालीगत असमानताओं को पहचानना और उनका समाधान करना एक निष्पक्ष कार्य वातावरण को बढ़ावा दे सकता है। एक संपन्न कार्यबल व्यक्तिगत कल्याण और पारिवारिक जीवन के महत्त्व को स्वीकार करता है, तथा इन मूल्यों को कार्यस्थल संस्कृति में एकीकृत करता है। इसका लक्ष्य एक ऐसे समाज का निर्माण करना है जहाँ पुरुष और महिलाएँ स्वास्थ्य, परिवार या व्यक्तिगत समय से समझौता किए बिना व्यावसायिक सफलता प्राप्त करें, तथा एक समतापूर्ण और समृद्ध भविष्य के लिए सभी श्रमिकों की पूरी क्षमता का उपयोग करें।

नजरिया

रेवड़ियों पर केंद्रित होता दिल्ली चुनाव

सुरेश हिंदुस्तानी

मो : 9770015780

देश की राजधानी दिल्ली में चुनावी घमासान के बीच रेवड़ी बांटने (मुफ़्त सुविधाओं वाली योजनाएँ) की प्रतिस्पर्धा सी चलती दिखाई दे रही है। इससे ऐसा लगता है कि अब दिल्ली राज्य की सत्ता तक पहुँचने का मार्ग केवल रेवड़ी ही है। दिल्ली राज्य के लिए होने वाले चुनाव हेतु सभी राजनीतिक दल मतदाताओं के लिए लोक लुभावन तरीके से अपने पिटारे से रेवड़ी बांटने की योजना जनता के लिए ला रहे हैं। इसके लिए आम आदमी पार्टी तो पहले से ही अपने पिटारे को खोलकर बैठी है। अब इसमें कांग्रेस और भाजपा भी अपने कदमों को उसी ओर बढ़ाने की ओर प्रवृत हुई है, जिस ओर आम आदमी पार्टी जाती रही है लेकिन एक तथ्य ध्यान देने योग्य माना जा सकता है कि आम आदमी पार्टी के पास कुछ भी नया नहीं है, क्योंकि वह पिछले चार विधानसभा चुनावों से इस राह पर चल रही है। मुफ्त में देने के वादे करना एक प्रकार से आम आदमी पार्टी की फितरत ही बन गई है। इससे अलग अपेक्षा भी नहीं की जा सकती, क्योंकि यह मार्ग उसके लिए लाभकारी साबित रहा है। इसलिए आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को इस बार भी पूरा विश्वास है कि बाजी उन्हीं के हाथ लगेगी। वर्तमान में दिल्ली राज्य के लिए हो रहे चुनाव प्रचार में राजनीतिक दलों के नेताओं की ओर से जो स्वर मुखरित हो रहे हैं, उन स्वरों में केवल मुफ़्त सुविधाओं की घोषणाओं का ही बोलबाला है। इसका राजनीतिक आशय यह भी निकाला जा सकता है कि अपना नायक चुनने के लिए किसकी रेवड़ियाँ जनता के स्वार्थ की ज़्यादा पूर्ति करने वाली है, यह ही देखा जाएगा। इस कवायद को लालच देकर वोट प्राप्त करने का एक माध्यम भी माना जा सकता है, क्योंकि जनता को मुफ्त में खजाना लुटाना किसी भी प्रकार से न्याय संगत नहीं माना जा सकता क्योंकि इसका बोझ उस वर्ग पर आता है, जो योजना का लाभ लेने के पात्र नहीं होते और टैक्स भी वही देता है। हालांकि सरकार को आम जनता का

ध्यान रखना चाहिए, लेकिन इसके लिए मुफ्त की योजना के अलावा अन्य तरीके अपनाए जाएं तो बेहतर होगा। अन्यथा एक दिन ऐसा भी आ सकता है कि यही योजनाएं विकास की योजनाएं न होकर विनाशकारी मार्ग तैयार कर सकती हैं।

दिल्ली में एक दशक पहले तक भाजपा और कांग्रेस के बीच ही चुनावी लड़ाई होती रही थी, लेकिन कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार के विरोध में एक धूमकेतु की तरह अरविन्द केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी का गठन कर दिया और लोक लुभावने वादे करके आम जनता का छप्पर फाड़ समर्थन प्राप्त कर दिल्ली के सिंहासन को अपने कब्जे में ले लिया। इस बार के चुनाव में बहुकोणीय मुकाबला होने की झलक दिखाई दे रही है। आम आदमी पार्टी ने इंडी गठबंधन को धत्ता बताकर अकेले अपने आपको मैदान में उतारा है, लेकिन उसकी सबसे बड़ी परेशानी यह है कि उसके नेता अरविन्द केजरीवाल पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं और वे जेल तक जा चुके हैं । इस समय वे ज़मानत पर जेल से बाहर हैं। ऐसे में यह कहना भी समीचीन ही होगा कि केजरीवाल की कथनी और करनी में ज़मीन आसमान का अंतर है। एक समय सुविधाओं को त्याग कर राजनीति करने की कसम खाने वाले केजरीवाल की जीवनशैली सुविधामय होती चली गई है। शीशमहल के नाम से भाजपा द्वारा प्रचारित किए गए उनके आवास में लकजरी सुविधाएं हैं जो उनके कथन से कतई सरोकार नहीं रखती। दिल्ली की जनता भी यह सब समझ गई है। ऐसे में यह कहना तर्कसंगत ही होगा कि इस बार केजरीवाल की राह उतनी आसान नहीं रह गई है जो पहले थी। दूसरी बड़ी बात यह भी है कि इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी के समक्ष गंभीर चुनौतियाँ भी हैं। केजरीवाल जमानत पर बाहर है, अर्थात वे दोष मुक्त नहीं हुए। उनका मुख्यमंत्री कार्यालय जाने पर प्रतिबन्ध उसी समय लगा दिया गया था, ज़ब वे मुख्यमंत्री थे, ऐसी स्थिति में केजरीवाल फिर से दिल्ली के मुख्यमंत्री बनेंगे, इसकी गुंजाइश भी नहीं है।

आम आदमी पार्टी के समक्ष एक बड़ी चुनौती यह भी है कि इस बार के चुनाव में कांग्रेस और भाजपा के अलावा बहुजन समाज पार्टी और औवेसी की पार्टी भी मैदान में हैं।यह दोनों राजनीतिक दल जितने प्रभावी होंगे, उसका खामियाजा आम आदमी पार्टी को ही होगा। एक गणित यह भी है कि पिछले चुनाव में अंदरूनी तौर पर कांग्रेस पार्टी का समर्थन आम आदमी पार्टी को मिला था, लेकिन इस बार पूरी गंभीरता के साथ कांग्रेस चुनावी मैदान में है। कांग्रेस और भाजपा दोनों ने केजरीवाल के समक्ष वजनदार प्रत्याशी उतार कर यह संदेश तो दिया ही है कि इस बार केजरीवाल की पार्टी को आसानी से विजय प्राप्त नहीं करने देंगी। क्योंकि बसपा और औवेसी के आने से केजरीवाल की पार्टी को मुस्लिम और दलित मतों की प्राप्ति में कमी हो सकती है और कांग्रेस का मूल वोटर इस बार कांग्रेस को ही वोट देगा।

आम आदमी पार्टी के साथ यह विसंगति जुड़ती जा रही है कि वह गठबंधन का हिस्सा केवल उन राज्यों में है, जहाँ आम आदमी पार्टी का अस्तित्व नहीं है। जहाँ केजरीवाल की पार्टी का अस्तित्व है, वहां गठबंधन के मायने बदल जाते हैं। इसका तात्पर्य यही है कि केजरीवाल स्वार्थ सिद्धि के लिए ही गठबंधन करते है। केजरीवाल एक चतुर राजनीतिक नेता की तरह चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन विपक्ष की एकता के सपने को चकनाचूर कर रहे हैं। हालांकि राजनीतिक विश्लेषक गठबंधन में दरार आने का ठीकरा कांग्रेस पर फोड़ रहे हैं। कुल मिलाकर यह कहना उचित होगा कि गठबंधन अब बिखरने की ओर है।

खैर मूल विषय रेवड़ी बाँटने का है। मुफ्त की रेवड़ियाँ बांटना निश्चित ही इस बात की ओर संकेत करता है कि आज राजनीतिक दलों ने आम जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता खोई है, इसीलिए चुनाव जीतने के लिए जनता को प्रलोभन देकर वोट कबाड़ने की राजनीति की जा रही है। अब देखना यह है दिल्ली का सिंहासन किसका इंतजार कर रहा है। फिलहाल यही समझा जा रहा है कि मुख्य मुकाबला भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच है। प्रचार के लिए भाजपा के पास नेताओं की भारी भरकम फ़ौज है तो आम आदमी पार्टी के पास केवल केजरीवाल ही हैं। चुनावी प्रचार के माध्यम से भाजपा अपनी बात को जनता के बीच नीचे तक पहुंचाने का प्रयास करेगी और इसका प्रभाव भी अच्छा ख़ासा हो सकता है लेकिन फिर वही बात कि क्या इस बार भी मुफ्त की रेवड़ियों के सहारे ही दिल्ली की सरकार बनेगी?

फिलहाल यही समझा जा रहा है कि मुख्य मुकाबला भाजपा और आदमी पार्टी के बीच है। प्रचार के लिए भाजपा के पास नेताओं की भारी भरकम फ़ौज है तो आम आदमी पार्टी के पास केवल केजरीवाल ही हैं। चुनावी प्रचार के माध्यम से भाजपा अपनी बात को जनता में नीचे तक पहुंचाने का प्रयास करेगी और इसका अच्छा ख़ासा प्रभाव भी पड़ सकता है लेकिन फिर वही बात कि क्या इस बार भी मुफ़्त की रेवड़ियों के सहारे ही दिल्ली की सरकार बनेगी?

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रयागराज में मंगलवार को महाकुंभ के दौरान श्रद्धालु त्रिवेणी संगम पर नाव की सवारी का आनंद लेते हुए।

अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी, अपनी पत्नी और अडानी फाउंडेशन की अध्यक्ष प्रीति अडानी, अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक करण अडानी और उनकी पत्नी परिधि अडानी के साथ मंगलवार को प्रयागराज में महाकुंभ मेला 2025 के दौरान त्रिवेणी संगम पर 'गंगा पूजा' करते हुए।

अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी इस्कॉन मंदिर के शिविर पहुंचे, भंडारा सेवा में बनाया महाप्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर । संगम नगरी प्रयागराज में 'महाकुंभ 2025' के भव्य आयोजन में अडानी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अडानी मंगलवार को पहुंचे। महाकुंभ नगर के सेक्टर नंबर 18 स्थित इस्कॉन वीआईपी शिविर पहुंचने पर गौतम अडानी का स्वागत किया गया। इस दौरान उनके साथ उनकी पत्नी भी मौजूद रही। स्वागत के बाद गौतम अडानी सेक्टर 19 इस्कॉन पहुंचे, जहां उन्हें महाप्रसाद बनाते हुए देखा गया। महाकुंभ में इस्कॉन और अडानी ग्रुप मिलकर रोजाना लाखों लोगों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था कर रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार को मशहूर उद्योगपति गौतम अडानी खुद प्रयागराज के इस्कॉन पंडाल में भंडारा सेवा में हिस्सा ले रहे हैं। गौतम अडानी ऐतिहासिक महाकुंभ में भंडारा सेवा करने के साथ ही त्रिवेणी में पूजा-अर्चना करेंगे और प्रसिद्ध बड़े हनुमान जी के मंदिर में दर्शन करेंगे। ज्ञात हो कि अडानी समूह इस साल इस्कॉन और गीता प्रेस के साथ मिलकर महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा में लगा हुआ है। इस्कॉन के साथ मिलकर अडानी समूह प्रतिदिन एक लाख श्रद्धालुओं को महाप्रसाद का वितरण कर रहा है। परिसर में 'अडानी महाप्रसाद' का आयोजन किया जा रहा है, जहां हजारों भक्तों की भीड़ लगी हुई है। महाकुंभ आने वाले यूपी के जौनपुर के अंकित मोदनवाल ने कहा, गौतम अडानी की तरफ से महाप्रसाद की बहुत अच्छी व्यवस्था की गई है। सभी भक्त और श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क व्यवस्था है, किसी भी तरह का चार्ज नहीं लिया जा रहा है। खाने की गुणवत्ता बहुत अच्छी है। गौतम अडानी की तरह और भी उद्योगपतियों को यहां पर आना चाहिए और सभी को सनातन धर्म के प्रति और जागरूक होने की आवश्यकता है। जमशेदपुर के एक अन्य श्रद्धालु ने कहा, इस्कॉन और अडानी ग्रुप की तरफ से बहुत ही अच्छे तरीके से भंडारे को संचालित किया जा रहा है। इसमें खाने की गुणवत्ता भी बहुत अच्छी है। अब लोगों को मदद मिल रही है। गौतम अडानी की तरह बड़े-बड़े उद्योगपतियों को आस्था क्रम में आगे आना चाहिए।

मंत्रिमंडल के साथ त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाएंगे योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज महाकुम्भ में बुधवार 22 जनवरी को योगी सरकार की कैबिनेट बैठक हो रही है। इस बैठक में योगी सरकार के सभी 54 मंत्रियों को बुलाया गया है। इस बैठक में प्रदेश को कई सौगात देने वाली योजनाओं और प्रस्तावों को मंजूरी दी जाएगी। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूरे मंत्रिमंडल के साथ त्रिवेणी संगम की पावन धारा में डुबकी भी लगाएंगे। इससे पूर्व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2019 कुम्भ मेले में भी अपने पूरे मंत्रिमंडल के साथ संगम में डुबकी लगाई थी। तब मुख्यमंत्री के साथ अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष नरेंद्र गिरि और अन्य साधु संतों ने भी संगम में स्नान किया था।

महाकुम्भ में योगी सरकार की बैठक में शामिल होने के लिए यूपी सरकार के सभी 54 मंत्रियों को बुलाया गया है। यह बैठक अरैल के त्रिवेणी संकुल में दोपहर 12 बजे शुरू होगी। संगम में स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा न हो, इसके लिए अरैल में बैठक करने का फैसला लिया गया है। पहले ये बैठक मेला प्राधिकरण के सभागार में होनी थी, लेकिन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए बाद में बैठक का स्थान बदल दिया गया। क्योंकि अगर मेला प्राधिकरण के सभागार में मंत्रियों की बैठक की जाती है तो वीआईपी सुरक्षा के चलते श्रद्धालुओं को दिक्कत हो सकती थी।

बैठक के बाद सभी मंत्री अरैल वीआईपी घाट से मोटर बोट के जरिए संगम जाएंगे। यहां योगी समेत सभी मंत्री विधिवत पूजन करेंगे। इसके बाद संगम तट पर बनी जेटी के जरिये त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाएंगे। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्रदेव सिंह, बेबी रानी मौर्य, जयवीर सिंह, लक्ष्मी नारायण चौधरी, धर्मपाल, नंदगोपाल नंदी और अनिल राजभर सहित सभी 21 मंत्री और बाकी स्वतंत्र प्रभार वाले और राज्यमंत्री सहित कुल 54 मंत्री कैबिनेट बैठक में शामिल होने के बाद विधिवत संगम में स्नान करेंगे।

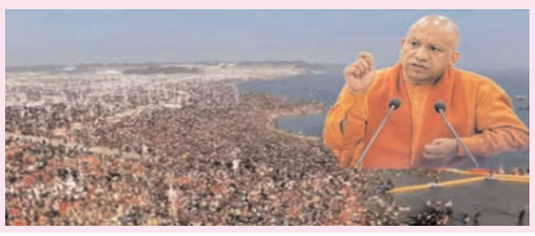

महाकुंभ की व्यवस्थाओं को लेकर जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर ने की योगी की तारीफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

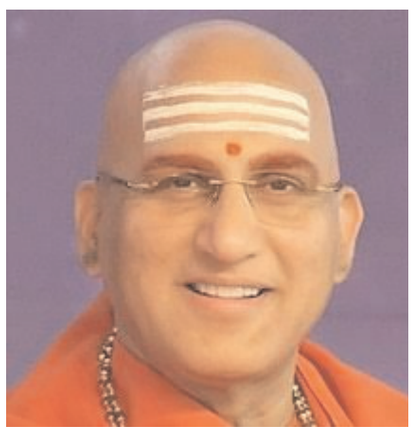

महाकुंभ नगर । जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी जी महाराज ने महाकुंभ 2025 के भव्य और सफल आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा की है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तुलना प्राचीन भारत के महान शासकों हर्षवर्धन और विक्रमादित्य से की। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने उन महान शासकों की परंपरा को नए युग में संवर्धित किया है। वे केवल एक शासक नहीं, बल्कि प्रचंड पुरुषार्थ और संकल्प के धनी व्यक्ति हैं। उनके प्रयासों ने महाकुंभ को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। स्वामी अवधेशानंद गिरी जी महाराज ने कहा कि भारत का भविष्य योगी आदित्यनाथ की ओर देख रहा है। भारत उनसे अनेक आकांक्षाएं, आशाएं और अपेक्षाएं रखे हुए है। भारत की दृष्टि उन पर है। उनमें पुरुषार्थ और निर्भीकता है। वे अजेय पुरुष और संकल्प के धनी हैं। महाकुंभ की विराटता, अद्भुत समागम, उत्कृष्ट प्रबंधन उनके संकल्प का परिणाम है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत का राष्ट्र ऋषि बताते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और नेतृत्व में योगी जी ने महाकुंभ को ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। आस्था का यहां जो सागर उमड़ा है, इसके लिए योगी आदित्यनाथ ने बहुत श्रम किया है। चप्पे-चप्पे पर उनकी दृष्टि है।

स्वामी अवधेशानंद गिरी जी महाराज ने कहा कि आज सनातन का सूर्य सर्वत्र अपने आलोक रश्मियों से विश्व को चमत्कृत कर रहा है। भारत की स्वीकार्यता बढ़ी है। संसार का हर व्यक्ति महाकुंभ के प्रति आकर्षित हो रहा है।

हर क्षेत्र में विशिष्ट प्रबंधन और उच्च स्तरीय व्यवस्था महाकुंभ में दिख रही है। भक्तों के बड़े सैलाब को नियंत्रित किया जा रहा है। सुखद, हरित, स्वच्छ, पवित्र महाकुंभ उनके संकल्प में साकार हो रहा है। हम अभिभूत हैं ऐसे शासक और प्रशासक को पाकर, जिनके सत्संकल्प से महाकुंभ को विश्वव्यापी मान्यता मिली है। यूनेस्को ने इसे सांस्कृतिक अमूर्त धरोहर घोषित किया है। यहां दैवसत्ता और अलौकिकता दिखाई दे रही है। योगी आदित्यनाथ के प्रयास स्तुत्य और अनुकरणीय हैं तथा संकल्प पवित्र हैं। विश्व के लिए महाकुंभ एक मार्गदर्शक बन रहा है, अनेक देशों की सरकारें सीख सकती हैं कि अल्पकाल में सीमित साधनों में विश्वस्तरीय व्यवस्था कैसे की जा सकती है।

महामंडलेश्वर ने महाकुंभ को सनातन संस्कृति का जयघोष और भारत की आर्ष परंपरा की दिव्यता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह पर्व नर से नारायण और जीव से ब्रह्म बनने की यात्रा का संदेश देता है। महाकुंभ को सामाजिक समरसता का प्रतीक बताते हुए उन्होंने कहा कि यह आयोजन दिखाता है कि हम अलग-अलग जाति, मत और संप्रदाय के होने के बावजूद एकता के सूत्र में बंधे हैं। उन्होंने महाकुंभ को गंगा के तट पर पवित्रता और संस्कृति का संगम बताया। गंगा में स्नान को आत्मा की शुद्धि और सामाजिक समरसता का प्रतीक बताया।

प्रयागराज में महाकुंभ मेला 2025 के दौरान त्रिवेणी संगम पर अपने शिविर में एक भक्त एक साधु से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए।

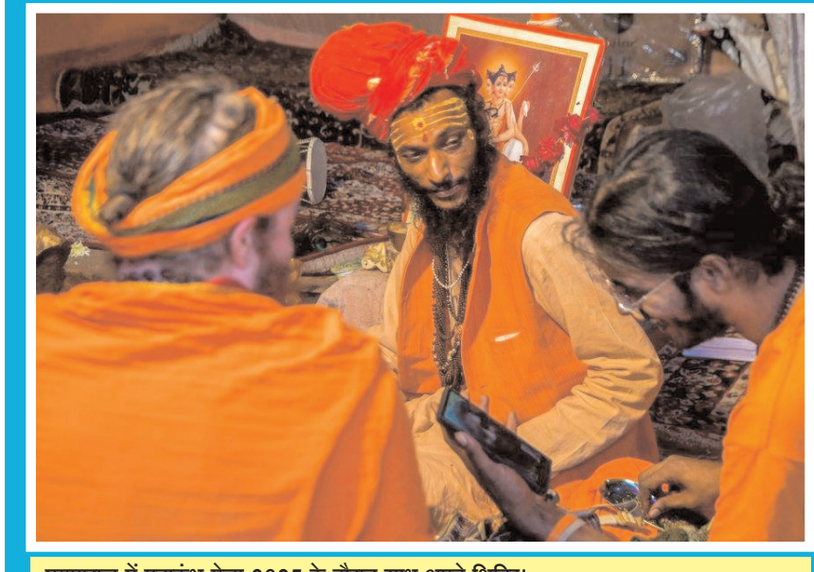

प्रयागराज में महाकुंभ मेला 2025 के दौरान साधु अपने शिविर।

साधुओं ने प्रयागराज में महाकुंभ मेला 2025 के मैदान में पदयात्रा की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | बुधवार | 22-01-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के नारायणपुरा स्थित क्रिस्तु जयंती महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इसे बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत क्रिस्तु जयंती महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीधर पी.डी ने स्वागत करते हुए उन्होंने हिंदी भाषा की महत्ता और वैश्विक स्तर पर इसके योगदान को रेखांकित किया गया।

क्रिस्तु जयंती महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी दिवस का हुआ आयोजन

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं का किया गया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के नारायणपुरा स्थित क्रिस्तु जयंती महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इसे बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत क्रिस्तु जयंती महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीधर पी.डी ने स्वागत करते हुए उन्होंने हिंदी भाषा की महत्ता और वैश्विक स्तर पर इसके योगदान को रेखांकित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के मानविकी संकाय के अध्यक्ष रेवरेंड फादर डॉ. जोशी माथ्यू ने विभाग के सभी प्राध्यापकों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ दी और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी भाषा के महत्व को दर्शाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के कार्यालय प्रभारी डॉ. तारिक खान उपस्थित थे। खान ने हिंदी भाषा के महत्व, इसके अनुवाद कार्य में योगदान और भारतीय भाषाओं के समृद्ध इतिहास पर प्रकाश डाला। उनके प्रेरणादायक भाषण ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए प्रोत्साहित किया । मानवीय संकाय के अध्यक्ष डॉ. गोपा कुमार ने हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला। समाजशास्त्र एवं भाषा विभाग के अध्यक्ष डॉ.कावेरी स्वामी भी उपस्थित थे । कार्यक्रम में हिंदी विभाग की ओर से विविध प्रतियोगिताओं को आयोजित किया तथा विजेताओं का सम्मान किया। महाविद्यालय के मानवीय संकाय के परिसर में भित्ति चित्रों की एक भव्य प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें हिंदी साहित्य और भारतीय संस्कृति की विविधता को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम की एक विशेष उपलब्धि भारतीय लोक साहित्य'एक विमर्श' नामक पुस्तक का विमोचन किया गया है। यह पुस्तक भारतीय लोक साहित्य की विविधता और इसकी प्रासंगिकता पर आधारित है । पुस्तक विमोचन के अवसर पर साहित्य और संस्कृति के संरक्षण पर जोर दिया गया। हिन्दी विभाग के प्राध्यापक प्रो. विनोद बाबूराव मेघश्याम, डॉ. मोहम्मद नयाज पाशा, डॉ. एम. अब्दुल रजाक, डॉ. गणेशटवार साईंनाथ नागनाथ, डॉ. कृष्णा डी. लमाणी और डॉ. बेंद्र बसवेश्वर नागाराव उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन छात्रा प्रिया ने किया। छात्र ध्रुवा ने धन्यवाद दिया।

शिवकुमार महाशिवयोगी की जीवन यात्रा व सेवाकार्य हर किसी के लिए प्रेरणादायक : गहलोत

सिद्धगंगा मठ में शिवकुमार महास्वामीजी का छठवां पुण्यस्मरणोत्सव मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुरु। शहर के सिद्धगंगा मठ में श्री शिवकुमार महाशिवयोगी के छठे पुण्य स्मरणोत्सव कार्यक्रम में राज्य के राज्यपाल थावरचन्द गहलोत अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस मौके पर मेघालय राजपाल सीएच विजयशंकर, श्री सिद्धलिंगमहास्वामीजी, श्री शिवरात्रि देशीकेंद्र महास्वामीजी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। केंद्रीय जनशक्ति एवं रेल राज्यमंत्री माननीय वी. सोमण्णा, विधायक जीबी ज्योतिगणेश, विधायक बी. सुरेश गौड़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने किहा कि डॉ. शिवकुमार महाशिवयोगी की जीवन यात्रा सेवा, समर्पण और परोपकार की अनूठी मिसाल है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि सच्ची मानवता जाति, धर्म और भौतिकवाद से परे है। कर्नाटक के माननीय राज्यपाल श्री थावर चंद गहलोत ने कहा कि उनका योगदान सदैव प्रेरणादायी रहेगा। गहलोत ने कहा कि श्री शिवकुमार महास्वामीजी ने सादा जीवन और उच्च विचार के दर्शन का पालन किया और दूसरों को भी उसी मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। वह मानवता के सच्चे प्रतीक हैं, वे एक महान विद्वान थे जिन्होंने जाति और धर्म से ऊपर उठकर समाज की सेवा की है। उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। भारत सरकार ने उन्हें वर्ष 2015 में पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया।

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति अनंत है, जिसकी हमारे संतों ने अनादि काल से निरंतर रक्षा की है। हमारी संस्कृति सदैव विश्व बंधुत्व, विश्व शांति, समानता एवं सद्भाव की प्रेरणा देती है। साधु-संतों ने हमारे धर्म की एकता और अखंडता और सनातन धर्म की विरासत को समृद्ध करने में बहुत योगदान दिया है। साधु-संतों, आचार्यों और संतों ने विश्व पटल पर धर्म, संस्कृति और अध्यात्म की पताका फहराई है। वर्तमान में दुनिया के कई देश आध्यात्मिक और मानसिक कल्याण के लिए भारत की ओर देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में चल रहा ''महाकुंभ'' इसका उदाहरण है। 111 वर्षों तक मानवता की भलाई के लिए काम करने वाले श्रद्धेय डॉ. श्री शिवकुमार स्वामीजी की छठी पुण्यतिथि पर उनके गुण स्मरण करने का अवसर पाकर मुझे खुशी हो रही है। धार्मिकता, पवित्रता और सकारात्मक ऊर्जा की भूमि कहा जाने वाला श्री सिद्धगंगा मठ इस भूमि के प्रसिद्ध मठों में से एक है।

उन्होंने बताया कि श्री सिद्धगंगा मठ का इतिहास 600 वर्ष पुराना है। यह मठ एक धार्मिक स्थल और शिक्षा, सेवा और आध्यात्मिकता का केंद्र है। यह मठ समाज को समर्पण, दान, मानवता की सेवा और ज्ञान के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इस बात की सराहना की कि मठ ने धर्म, संस्कृति एवं अध्यात्म के प्रचार-प्रसार तथा सामाजिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सिद्धगंगा मठ सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन लाकर समाज को आत्मनिर्भर बनाने और सामाजिक समानता और समता, समृद्धि, उत्कृष्टता, सशक्तिकरण, उद्यमिता और ज्ञानोदय के लिए सभी को मूल्यवान शिक्षा प्रदान करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। चलते-फिरते भगवान के नाम से मशहूर डॉ. श्री शिवकुमार महाशिवयोगी ने अपना पूरा जीवन मानव सेवा, शिक्षा और सामाजिक उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। राज्यपाल ने कहा कि कर्नाटक और पूरे भारत में उनका योगदान अद्वितीय और प्रेरणादायक है। डॉ. शिवकुमार स्वामीजी शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण साधन मानते थे।

उन्होंने स्कूलों, कॉलेजों और इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेजों सहित 125 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना की। मठ के तहत चलने वाले संस्थान जाति, पंथ या आर्थिक स्थिति से परे शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। लाखों गरीब और वंचित बच्चों को मुफ्त शिक्षा और छात्रावास की सुविधा प्रदान की जाती है।

ब्यावर संघ युवा महिला शाखा का हुआ गठन

चन्द्रकला, जिया, कंचन, मोनिका, संगीता और सीमा संयोजिका नियुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा ब्यावर युवा लेडीज विंग का गठन किया गया। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने कहा कि लेडीज विंग में ब्यावर प्रवासियों के परिवारों की महिलाओं को जोड़ा जा रहा है। लेडीज विंग के मुख्य उद्देश्यों में ब्यावर संघ की प्रगति में नारी मातृ शक्ति द्वारा योगदान प्रदान करना, संघ के कार्यक्रमों में सहयोग प्रदान करना और महिला सशक्तिकरण हेतु कार्यक्रम आयोजित करना होगा। चन्द्रकला डाकलिया, जिया हिंगड़, कंचन छाजेड़, मोनिका कुमट, संगीता पारख, सीमा बोहरा को ब्यावर युवा लेडीज विंग संयोजिका नियुक्त किया गया। सभी संयोजिकाओं का सम्मान युवा शाखा के पदाधिकारियों ने किया। ब्यावर संघ के चेयरमैन अरविन्द खिंवसरा, अध्यक्ष पदम बोहरा, महामंत्री अरविंद कोठारी, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा सहित युवा शाखा के विकास खटोड़, नमित कोठारी, भरत कोठारी, मनीष बाफना, अल्केश हिंगड़, लकी बोहरा सहित अनेक ने लेडीज विंग की संयोजिकाओं को शुभकामना दी।

वार्षिक कैलेन्डर — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बीएमटीसी बस डिपो चंद्रा लेआउट में बस रूट, यातायात नियम एवं अन्य उपयोगी जानकारियों युक्त नववर्ष पैकेट कैलेंडर 2025 का विमोचन मुख्य अतिथि महेन्द्र मुणोत व अन्य डिपो अधिकारियों ने किया। इस मौके पर मुणोत ने बस चालकों, कंडक्टरों एवं अन्य कर्मियों को कैलेंडर वितरित किए।

आदर्श स्कूल में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में विद्यार्थियों ने कराई नेत्र जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आदर्श ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन द्वारा मनवरथपेट में संचालित आदर्श स्कूल एवं दिव्य दृष्टि हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में स्कूल परिसर में नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में डॉ. प्रकाश जैन एवं उनकी टीम सुषमा, विनय एवं गजेन्द्र द्वारा स्कूल के करीब 700 विद्यार्थियों सहित शिक्षकों का नेत्र परीक्षण किया गया। इस अवसर पर विशेष नेत्र रोगियों को अभिभावकों के साथ हॉस्पिटल आने की सलाह दी गई ताकि उनका इलाज हो सके। जांच के बाद जरूरतमंद विद्यार्थियों को चश्मे एवं दवाइयां डॉ. प्रकाश एवं संगीता मेहता द्वारा निःशुल्क दी जाएगी। इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्या डॉ. प्रज्ञा यादव ने डॉक्टर एवं उनकी टीम को धन्यवाद दिया।

राम मंदिर की वर्षगांठ पर गैर मंडल, सेवा संघ के पदाधिकारियों का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सीरवी समाज सुंकदकट्टे आईमाता वडेर प्रांगण में राम मंदिर की प्रथम वर्षगांठ हर्षोल्लास के साथ मनाई इस मौके पर भगवान श्री राम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भजनों कार्यक्रम में भजन गायक राजूराम सीरवी, चुन्नाराम भायल ने भजनों की प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर गैर मण्डल, सेवा संघ, भजन मंडली के पदाधिकारियों का चयन किया गया। सेवासंघ के अध्यक्ष पेमाराम गेहलोत, सचिव ओमप्रकाश हाम्बड, गैर मण्डल के अध्यक्ष भूराराम सोलंकी, उपाध्यक्ष चेलाराम परिहार, सचिव हीरालाल राठौड़, कोषाध्यक्ष कुनाराम काग, भजन मंडली के अध्यक्ष राजूराम चोयल, सचिव चुन्नाराम भायल, कोषाध्यक्ष हनुमान बर्फा को नियुक्त किया गया।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। अध्यक्ष इन्द्रलाल सोलंकी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर सचिव अशोक परिहार, उपाध्यक्ष घीसूलाल चोयल, सहसचिव भंवरलाल गेहलोत, बाबूलाल मुलेवा, भानाराम गेहलोत चौथाराम बर्फा आदि उपस्थित रहे। संचालन सचिव अशोक परिहार ने किया।

अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन ने दी योजनाओं की जानकारी

मैसूरु। कर्नाटक राज्य अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन निसार अहमद ने मैसूरु में अल्पसंख्यक समुदायों की बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी देते हुए अहमद ने योजनाओं का लाभ लेने का आग्रह किया। उन्होंने आगामी राज्य बजट में सरकार से अधिक लाभ दिलवाने का आश्वासन दिया।

आयुर्वेद है जीवन और गरीब के प्रति पूरा-पूरा न्याय : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मस्थला। स्थानीय धर्मस्थला मंजुनाथेश्वरा कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एंड हॉस्पिटल के प्रांगण में प्रशिक्षित डॉक्टरों, उनके प्रध्यापकों और व्यवस्थापकों के लिए आयोजित विशेष मोटिवेशनल कार्यक्रम में मार्गदर्शन देते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि आयुर्वेद प्रकृति है, भारत की संस्कृति है। यह गौरवशाली चिकित्सा पद्धति सबसे सस्ती, बहु गुणकारी, सबके लिए निरापद सिद्ध विद्या है। जब इंग्लैंड में एलोपैथी का जन्म भी नहीं हुआ था, तब अखंड भारतवर्ष में आयुर्वेद अपनी सफलता के चरम पर था। वर्ष 2600 पूर्व रचित प्राचीन सुश्रुत नामक वैद्यक ग्रंथ को सर्जरी का पितामह कहा जा सकता है। सदियों पहले इस ग्रंथ के आधार पर आंख व किडनी स्टोन के ऑपरेशन, सिजेरियन और हाथ-पैर की टूटी हड्डियों को बदलने का कार्य बड़ी सफलता पूर्वक किया जाता था। एनेस्थेसिया की चिकित्सा पद्धति विश्व को सर्वप्रथम सुश्रुत ग्रंथ की ही देन हैं। जैनाचार्य ने कहा कि एलोपैथी आज 100 वर्ष बाद भी प्रयोगों और अनुमानों पर आधारित है। प्रतिवर्ष क्लिनिकल ट्रायल पर अरबों रुपए खर्च होते हैं और हजारों-हजारों निर्दोष लोग बेमौत मरते हैं। एलोपैथी के लिए क्लिनिकल ट्रायल में गरीब आदमी की मौत 100 रुपये से भी सस्ती है, जबकि आयुर्वेद सिद्ध विद्या है। उसके कोई साइड इफेक्ट नहीं है। गरीब और जीवन के प्रति वह पूरा पूरा न्याय करती है। वह समय अब दूर नहीं जब दुनिया पुनः आयुर्वेद की ओर लौटेगी। आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने उपस्थित सैकड़ों प्रशिक्षित डॉक्टरों को आह्वान किया कि अपनी संवेदना को मरने न दें। मात्र अर्थोपार्जन को जीवन का ध्येय न समझें। मानवता की अलख जगाएं और गहराई से यह मानकर चलें कि हम असामान्य उपलब्धियों के लिए दुनिया में आए हैं। डॉक्टरों ने बड़ी तल्लीनता से संत को सुना और बातों को सराहा। गणि पद्मविमलसागरजी आदि संतजनों के साथ जैन समाज के अनेक गणमान्य सदस्य भी इस अवसर पर उपस्थित थे। डॉ. अश्विनीकुमार व नरेंद्र धोका ने स्वागत किया। इससे पूर्व कॉलेज केम्पस में पहुंचने पर अनेक कन्या डॉक्टरों ने मंगल कलश लेकर संतजनों का स्वागत किया। डॉ. मुरलीधर पुजारा, डॉ. प्रकाश हेगड़े, डॉ. अश्विनीकुमार, डॉ. शरद, डॉ. श्रीनाथ वैद्य, लोहितक्षा और शंकर के निर्देशन में श्रमण समुदाय ने पुस्तकालय, संग्रहालय, प्रयोगशाला तथा चिकित्सा पद्धति की विविध विधाओं और प्राचीन हस्तलिखित ग्रंथों का निरीक्षण किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com